अगहन मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 319 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज शनिवार 04 दिसम्बर 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

क्रियायोग हं क्षं परमात्म अनुभूति का सर्वोच्च मार्ग

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

लापरवाही की हद! दो नाबालिग लड़कियों को लगा दी कोरोना की वैक्सीन, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। केरल में स्वास्थ्य कर्मियों ने लापरवाही की हद पार कर दी। यहां दो नाबालिगों को कोरोना की वैक्सीन लगा दी गई। वैक्सीन लगाए जाने के बाद दोनों नाबालिगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। घटना राज्य के तिरुवनंतपुरम की है। बताया जा रहा है कि 15 साल के दो लड़कियों को गुरुवार को गलती से प्रीवेन्टिव वैक्सीन की जगह कोविड-19 की वैक्सीन लगा दी गई। इस मामले में जिला चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि दोनों छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वो दोनों अभी डॉक्टरों की देखरेख में हैं। बताया जा रहा है कि तिरुवनंतपुरम के एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दोनों नाबालिग लड़कियों को यह वैक्सीन लगा दी गई। इन दोनों लड़कियों को कोविशिल्ड वैक्सीन लगाई गई है। इस मामले में लड़कियों के परिजनों ने पुलिस को भी सूचना दी है।

ओमिक्रॉन का खौफ! चार राज्यों में विदेश से आए 30 यात्री कोविड-19 पॉजिटिव

मुंबई, जयपुर, लखनऊ, चेन्नई,। दुनिया के कई मुल्कों में कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमित मरीज मिल रहे हैं। ओमिक्रॉन ने भारत में भी चिंता बढ़ा दी है। इस बीच उच्च खतरे वाले देशों से आए करीब 30 यात्री कोविड-19 पॉजिटिव मिले हैं। कुल चार राज्यों में यह 30 यात्री कोरोना वायरस से संक्रमित मिले हैं। इन यात्रियों के स्वैब के नमूने जीनोम अनुक्रमण के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त लैबों में आगे की जांच के लिए भेज गये हैं। इस जांच से पता चलेगा कि इनमें से कोई यात्री कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से संक्रमित है अथवा नहीं अधिकारियों ने बताया कि इनमें से ज्यादातर यात्री अधिक खतरे वाले अफ्रीकी देशों की यात्रा से लौटे हैं। इनमें से राजस्थान, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के 9 यात्री हैं। इसके अलावा तमिलनाडु के 2 यात्री और गुजरात के 1 यात्री शामिल हैं। इन राज्यों के अधिकारियों के मुताबिक इनमें से ज्यादा असिम्टोमैटिक हैं और इनमें कोविड के बहुत कम लक्षण मिले हैं। इन सभी यात्रियों के कॉन्टैक्ट ट्रैकिंग का काम शुरू हो चुका हैं।

ओमिक्रॉन वैरिएंट का पहला केस गुरुवार को कर्नाटक के बेंगलुरू शहर में मिला है। इनमें से एक यात्री ने 27 नवंबर को साउथ अफ्रीका से दुबई की यात्रा की थी और उसने स्थानीय अथॉरिटी को इस संबंध में जानकारी भी नहीं दी थी। इस वैरिएंट से संक्रमित दूसरे शख्स एक चिकित्सक हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इनके कॉन्टैक्ट ट्रैकिंग पर काम किया जा रहा है।

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपो ने बताया कि 28 लोगों के स्वैब के नमूने जीनोम अनुक्रमण के लिए भेजे गए हैं। यह सभी पिछले एक महीने के दौरान हाई-रिस्क वाले देशों से आए थे। इनमें से 9 लोग कोरोना पॉजिटिव भी मिले हैं। उन्होंने कहा, 'हम अभी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या वो ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमित हैं।' उन्होंने बताया कि 10 नवंबर से 30 नवंबर के बीच 2,868 यात्री विभिन्न देशों से राज्य में आए। इनमें से 485 लोगों की जांच की गई है। जयपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी नरोत्तम शर्मा ने कहा कि एक परिवार के 9 सदस्यों कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं। इनमें से 4 लोग साउथ अफ्रीका से लौटे थे। इन सभी लोगों को क्वारन्टाइन किया गया है और नमूनों को आगे की जांच के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि यह सभी लोग सीकर जिले में स्थित अपने घर आए थे। दिल्ली में करीब एक हफ्ते पहले एक शादी में इन्हें शामिल होना था। नरोत्तम शर्मा ने बताया कि उन्होंने दिल्ली सरकार को इन केसों के बारे में सूचना दी है और दूल्हन का परिवार दिल्ली का ही रहने वाला है।नरोत्तम शर्मा ने कहा कि जब 25 नवंबर को चार लोग साउथ अफ्रीका से यहां पहुंचे थे तब हमने उनका कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग शुरू किया था। इसके बाद गुरुवार को 71 साल के शख्स पॉजिटिव मिलें। उनके परिवार के 14 सदस्यों के नमूने (जिनमें अफ्रीका से आए 4 लोग भी शामिल हैं) लिए गए । इनमें से 5 लोगों को छोड़कर सभी लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उन्होंने बताया कि 9 लोगों को राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस (आरयूएचएस) में भर्ती कराया गया है।

प्रति 10 लाख की आबादी पर कोरोना के सबसे कम केस और मौतें, सरकार ने संसद में थपथपाई अपनी पीठ

नई दिल्ली। कोरोना के खिलाफ जंग में केंद्र सरकार ने एक बार फिर अपनी पीठ थपथपाई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि देश में कोरोना महामारी से जुड़े आंकड़े दुनिया के न्यूनतम में से है। उन्होंने कहा कि देश में प्रति 10 लाख की आबादी पर 25 हजार केस दर्ज किए गए तो 340 लोगों की मौत हुई, जोकि दुनिया के सबसे कम केसों और मौतों में शामिल है।

लखनऊ में 125 यात्री एयरपोर्ट से लापता

दिल्ली में भी पहुंचा ओमिक्रॉन एलएनजेपी अस्पताल में अब तक 12 संदिग्ध मरीज भर्ती

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के लोक नायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल में अब तक कोविड-19 'ओमिक्रॉन' वैरिएंट से संक्रमित होने के संदेह में 12 मरीजों को भर्ती कराया गया है। सूत्रों के अनुसार, आठ ओमिक्रॉन संदिग्ध मरीजों को गुरुवार को एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चार संदिग्धों को आज भर्ती कराया गया है, जिनमें से दो का टेस्ट कोविड-19 पॉजिटिव है, जबकि अन्य दो की टेस्ट रिपोर्ट का इंतजार है। सूत्रों ने बताया कि इन चार संदिग्धों में से दो ब्रिटेन से, एक फ्रांस से और एक नीदरलैंड से आया है। साथ ही उन्होंने बताया कि आज चारों मरीजों के सैंपल जिनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजे जाएंगे। इससे पहले गुरुवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी कि कर्नाटक में संभावित रूप से अधिक खतरनाक कोरोना वायरस स्ट्रेन के दो मामलों का पता चला है।

राजनीति सिर्फ चुनाव जीतना नहीं है... पीके के दिव्य अधिकार वाले बयान पर भड़के सलमान खुर्शीद

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने शुक्रवार को राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की उस टिप्पणी के लिए उन पर निशाना साधा कि विपक्षी नेतृत्व का फैसला लोकतांत्रिक रूप से किया जाना चाहिए। सलमान खुर्शीद ने ट्वीट कर कहा, ₹पीके कांग्रेस कार्यकताओं की लोकतांत्रिक पसंद पर सवाल उठाने के लिए देवत्व का उपयोग करते हैं। यह हमें बताता है कि राजनीति के बारे में कॉपी बुक ज्ञान मानव आचरण को प्रभावित नहीं करता है। राजनीति केवल चुनाव जीतने के बारे में नहीं है।उन्होंने कहा, ₹पीके के लिए सबकः देवत्व विश्वास के बारे में है। लोकतंत्र विश्वास के बारे में है। अन्य लोग लोकतांत्रिक पसंद के लिए स्क्रिप्ट नहीं लिख सकते हैं। अगर लोकतांत्रिक विकल्प समझ में नहीं आता है, तो स्कूल वापस जाएं और नए सिरे से शुरू करें। शायद आस्था और विश्वास को अलग-अलग करना भाजपा को जवाब होगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष

राहुल गांधी पर परोक्ष हमला करते हुए प्रशांत किशोर ने गुरुवार को कहा था कि पार्टी का नेतृत्व ₹किसी व्यक्ति का दैवीय अधिकारनहीं है। प्रशांत किशोर ने ट्वीट कर कहा था, ₹कांग्रेस जिस विचार और स्थान का प्रतिनिधित्व करती है, वह एक मजबूत विपक्ष के लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन कांग्रेस का नेतृत्व किसी व्यक्ति का दैवीय अधिकार नहीं है, खासकर जब पार्टी पिछले 10 वर्षों में 90 प्रतित से अधिक चुनाव हार गई हो। विपक्षी नेतृत्व को लोकतांत्रिक तरीके से तय करने दें। प्रशांत किशोर की यह टिप्पणी तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा अपनी टिप्पणी के साथ विवाद को जन्म देने के बाद आई है। ममता ने कहा था, ₹अब कोई यूपीए नहीं है₹। प्रशांत किशोर ममता बनर्जी के राजनीतिक सलाहकार भी हैं। ममता बनर्जी की टिप्पणी की कांग्रेस के कई नेताओं ने आलोचना की। उन्होंने उन पर विपक्षी एकता में दरार पैदा करके भाजपा की सहायता करने का आरोप लगाया।

ओमिक्रॉन का डर

अफ्रीकी देशों से आए 10 विदेशी बेंगलुरु में 'लापता'

बेंगलुरु। बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका ने शुक्रवार को कहा कि अफ्रीकी देशों से आए कम से कम 10 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों का कुछ पता नहीं चल पा रहा है। ये लोग ऐसे समय पर लापता है जब कर्नाटक में ओमिक्रॉन वेरिएंट के दो कोविड केस मिल चुके हैं। देश में पहली बार इस वेरिएंट के मामले कर्नाटक में ही मिले हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य अधिकारी अब विदेशियों की तलाश में जुटे हैं। बीबीएमपी के कमिश्नर गौरव गुप्ता ने कहा, "ट्रैकिंग एक निरंतर प्रक्रिया है और हम ऐसा करते रहेंगे। यदि कोई फोन पर जवाब नहीं दे रहा है तो एक स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल है और हम इसका पालन करेंगे।" गुप्ता ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा के उपायों को अपनाने को कहा। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. के सुधाकर ने कहा, "साउथ अफ्रीका में ओमिक्रॉन पाए जाने के बाद बेंगलुरु में 57 यात्री आए। इन 57 में से 10 को बीबीएमपी ट्रेस नहीं कर पाई है। उनका फोन स्विच ऑफ है और दिए गए पते पर उपलब्ध नहीं हैं।" डेल्टा से भी बेहद खतरनाक माने जा रहे 50 से अधिक म्यूटेशन वाले इस वेरिएंट ने 30 से अधिक देशों में दस्तक दे दी है। भारत में भी इसके 2 केस मिल चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि दो मरीजों में से एक विदेशी था, जो देश छोड़ चुका है। दूसरा शख्स कर्नाटक से है, जिसने कोई विदेश यात्रा नहीं की है।

हरियाणा में किसानों पर दर्ज केस होंगे वापस, मुआवजा भी मिलेगा सीएम खट्टर ने बातचीत के लिए बुलाया

चंडीगढ़। हरियाणा की भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने किसान आंदोलन के दौरान मरे लोगों के परिजनों को मुआवजा देने की पहल की है। इसके अलावा आंदोलन के दौरान जिन किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उन पर से केस वापस लिए जाएंगे। भारतीय किसान यूनियन के नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने यह जानकारी दी है। यही नहीं सीएम मनोहर लाल खट्टर के बुलावे पर किसान नेताओं का एक दल मुख्यमंत्री आवास पर उनसे मिलने के लिए चंडीगढ़ पहुंच गया है। चढ़ूनी ने कहा. 'सीएम मनोहर लाल खट्टर ने हमें किसानों पर दर्ज मामलों को लेकर बात करने के लिए बुलाया है। इसके अलावा आंदोलन के दौरान मरे किसानों के मुआवजे को लेकर भी बात होगी। हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी ने तीन नए कृषि कानूनों को वापस ले लिया था। हालांकि इस ऐलान के बाद भी किसान संगठनों ने एमएसपी कानून समेत 6 मांगें रखी थीं और आंदोलन खत्म करने से

इनकार किया था। इन मांगों में आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिजनों को मुआवजा देने और आंदोलनकारियों पर दर्ज मुकदमों को वापस लेना भी था। अब यदि खट्टर सरकार मुआवजे और केसों की वापसी का फैसला लेती है तो फिर दोनों पक्षों के बीच सहमति को लेकर यह अहम कदम हो सकता है। यही नहीं इससे आंदोलन खत्म होने की उम्मीदें भी बढ़ सकती हैं।

दिल्ली की सीमाओं पर किसानों को डटे हुए एक साल का वक्त बीत गया है। लेकिन अब भी किसान नेताओं का कहना है कि एमएसपी कानून बनने तक वह नहीं हटेंगे। राकेश टिकैत ने शुक्रवार को भी दोहराया कि एमएसपी कानून और मारे गए 700 किसानों के परिजनों को मुआवजा मिलने तक आंदोलन खत्म करने का सवाल ही नहीं उठता है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने एमएसपी कानून पर चर्चा को लेकर भी किसान संगठनों से 5 नाम मांगे हैं। हालांकि किसान संगठनों का कहना है कि इस बारे में सरकार से उन्हें कोई औपचारिक जानकारी नहीं मिली है।

अब जेड श्रेणी की सुरक्षा घेर में रहेंगे केंद्रीय मंत्री नारायण राणे

सुरक्षा खतरों की वजह से सीआईएसएफ के कमांडो हर पल रहेंगे मुस्तैद

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट मंत्री नारायण राणे के वीआईपी सुरक्षा कवर को और बेहतर कर सरकार ने 'जेड' श्रेणी का कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि सुरक्षा खतरों के मद्देनजर उनकी सुरक्षा बढ़ाई गई है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) मंत्री राणे को पिछले वर्ष दिसंबर से वाई श्रेणी का सुरक्षा कवर हासिल है। 69 वर्षीय मंत्री और महाराष्ट्र के नेता राणे को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के सशस्त्र कमांडो सुरक्षा देते हैं। सीआईएसएफ के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) और मुख्य प्रवक्ता डॉ. अनिल पांडेय ने मंत्री की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाए जाने की पुष्टि की। 'जेड' श्रेणी के तहत राणे की सुरक्षा में देश के किसी भी हिस्से की यात्रा के दौरान छह-सात सशस्त्र कमांडो तैनात रहेंगे। सूत्रों ने बताया कि राणे की हाल में सुरक्षा विश्लेषण के बाद केंद्रीय एजेंसियों ने उनकी सुरक्षा और बढ़ाने की अनुशंसा की थी। सीआईएसएफ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत सहित कई लोगों को वीआईपी सुरक्षा मुहैया कराता है।

उकसा रहे भाजपा के सांसद, जख्मों पर रगड़ा नमक, भड़के शशि थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने 12 विपक्षी सांसदों के निलंबन पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोलते हुए शुक्रवार को कहा कि संसद में सत्ताधारी पार्टी के सांसदों का विरोध घाव पर नमक छिड़कने जैसा है। थरूर ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा, ₹बीजेपी सांसदों का यहां आना घाव पर नमक रगड़ने जैसा और बेवजह उकसाने वाला था। अगर बीजेपी को कुछ दिखाना चाहिए था तो वह है एकजुटता। मेरे सहयोगियों को एक ऐसी पार्टी ने अन्यायपूर्ण तरीके से निष्कासित कर दिया, जिसने संस्थागत व्यवधान किया है। संसद सत्र के दौरान राज्यसभा में 'अशोभनीय आचरण' के लिए निलंबित किए गए विपक्ष

के 12 सांसदों के संसद भवन परिसर में धरने के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सांसदों ने उसी स्थान पर प्रदर्शन किया। भाजपा सांसद अरुण सिंह, सैयद जफर इस्लाम, राकेश सिन्हा समेत कई सदस्य महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने ही इस प्रदर्शन में शामिल हुए। सांसदों ने अपने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं जिन पर पिछले सत्र के दौरान उच्च सदन में हुए हंगामे की तस्वीर थी। कुछ तख्तियों पर लिखा था, "लोकतंत्र या गुंडागिरी।"

धरना दे रहीं तृणमूल कांग्रेस की निलंबित सांसद डोला सेन ने भाजपा सांसदों के प्रदर्शन की आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा सांसदों ने हमारे शांतिपूर्ण धरने के खिलाफ अभद्र व्यवहार किया और हमारे पोस्टर फाड़े। वहीं, लोकसभा में शून्यकाल से पहले कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने सदन में भाजपा सांसदों के व्यवहार की आलोचना करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण धरना दे रहे निलंबित सांसदों को परेशान करने के लिए भाजपा ने यह कृत्य किया जो निंदनीय है। सभापति को इसका संज्ञान लेना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि दूसरे सदन के पीठासीन अधिकारी के बारे में कोई टप्पिणी नहीं की जानी चाहिए। संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि अगर विपक्ष को धरना प्रदर्शन का अधिकार है तो पक्ष के सांसदों को भी यह अधिकार है।

आरडीएक्स के बाद टिफिन बम और हथगोले बरामद, सीमाई जिलों में हाई अलर्ट

नई दिल्ली। पंजाब के दीनानगर से एक किलो आरडीएक्स बरामद किये जाने के दो दिन बाद पुलिस ने प्रदेश के गुरदासपुर में एक टिफिन बम एवं चार हथगोले बरामद किए । पुलिस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस सप्ताह की शुरूआत में पाकिस्तान के आईएसआई द्वारा प्रायोजित दो आतंकवादी मॉड्यूल का गुरदासपुर में भंडाफोड़ किया गया था। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक इकबालप्रीत सिंह सहोता ने बताया कि बृहस्पतिवार को जिले के सलेमपुर अरैयां गांव के पास टी-प्वाइंट पर जांच के दौरान गुरदासपुर सदर थाना प्रभारी को सड़क किनारे झाड़ियों में एक संदिग्ध बोरी मिली । सहोता ने कहा कि जांच करने पर उन्हें हथगोले और एक टिफिन बम मिला । सहोता ने कहा कि22 सीमावर्ती जिले से आरडीएक्स, हथगोले और पिस्तौल की हालिया बरामदगी को ध्यान में रखते हुए, अहम अधिकारियों की देखरेख में थानेदारों द्वारा पूरे जिले में 'नाका' लगाये गये हैं। डीजीपी ने कहा कि पंजाब पुलिस, खासकर सीमावर्ती जिला पुलिस बल हाई अलर्ट पर हैं और उप-मुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा के निर्देश पर रात में ड्यूटी के दौरान अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने एक बयान में कहा कि एडीजीपी रैंक के कई अधिकारियों को सीमावर्ती जिलों में विशेष रूप से निगरानी के निर्देश दिये गये हैं ।

खबर संक्षेप

पीआरएसयू का दीक्षांत समारोह चार जनवरी को

प्रयागराज। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय का चौथा दीक्षांत समारोह चार जनवरी को आयोजित किया जाएगा। समारोह ऑफलाइन मोड में नैनी स्थित नवनिर्मित परिसर में होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी। समारोह की तैयारी विश्वविद्यालय में युद्ध स्तर पर चल रही है। मेधावियों की अंतिम सूची जारी कर दी गई। इसके लिए छात्रों से आपत्ति भी मांगी गई है। कुलपति प्रोफेसर अखिलेश सिंह ने बताया कि कार्यक्रम की तिथि घोषित कर दी गई है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि को निमंत्रण पत्र भेजा गया है।

आज होगा विश्वकर्मा सम्मेलन

सिरसा। विधानसभा मेजा में विश्वकर्मा सम्मेलन का आयोजन किया गया हैं जो अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा द्वारा 4 दिसम्बर 2021 दिन शनिवार समय 11 बजे दिन स्थान पटेल गेस्ट हाउस पटेल नगर कोहडार मेजारोड प्रयागराज में होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राम आसरे विश्वकर्मा पूर्व राज्य शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा, विशिष्ट अतिथि योगेश चंद्र यादव जिलाध्यक्ष समाजवादी प्रयागराज होंगे।

मण्डलायुक्त ने ज्योति दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र में बच्चों का किया उत्साहवर्धन

अखंड भारत संदेश

विश्व दिव्यांग दिवस

दिव्यांग बच्चों को व्हील चेयर/ वैशाखी, वॉकर सहित अन्य उपकरणों का किया गया वितरण

विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर मण्डलायुक्त

प्रयागराज। मण्डलायुक्त संजय गोयल शुक्रवार को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर ज्योति दिव्यांग पुनर्वास केन्द में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में मानसिक दिव्यांग बच्चों द्वारा डान्स/फैशन शो की प्रस्तुती दी गयी। बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गयी, जिसमें बच्चों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया। दिव्यांग बच्चों को व्हील चेयर/वैशाखी एवं वॉकर का वितरण किया गया। कार्यक्रम में नगर आयुक्त रवि रंजन सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मानसिक एवं भावनात्मक विकास के लिए स्कूल रेडीनेस जरूरी : ओपी मिश्रा

- कौड़िहार बीईओ ओपी मिश्रा ने प्रशिक्षण ले रहे शिक्षकों को स्कूल रीडीनेस का बताया उद्देश
- स्कूली माहौल में ढलने एवं सहपाठियों से सामंजस्य बनाने में बच्चों को मिलेगी मदद
- एक दर्जन संदर्भ दाताओं ने ब्लॉक के 99 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को दिया प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

कौड़िहार बीआरसी में मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर स्कूल रेडिनस का आगाज करते बीईओतथा कौड़िहार बीआरसी में स्कूल रेडीनेस का प्रशिक्षण समाप्त होने के उपरांत शिक्षक एवं शिक्षिकाएं

लालगोपालगंज। परिषदीय स्कूलों में कक्षा एक से बच्चों की शिक्षा शुरू होती है। जो बगैर किसी तैयारी के विद्यालय में सीधे दाखिला लेते हैं। ऐसे में बच्चों को स्कूल के माहौल में ढलने एवं सहपाठियों से संबंधित से बनाने में काफी वक्त लग जाता है। जिसके दृष्टिगत स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम की योजना बनाई गई। स्कूल आते ही बच्चों को कलम कॉपी किताब थमाने के बजाय उन्हें घर जैसा वातावरण मुहैया कराया जाएगा। जिन्हें गतिविधियों के माध्यम से खेल खेल में शिक्षा दी जाएगी।

प्रयागराज के कौड़िहार बीआरसी में गुरुवार से स्कूल रेडीनेस का दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। खंड शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश मिश्रा ने सरस्वती मां की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित से प्रशिक्षण की शुरूआत किया। ब्लॉक के 99 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को तीन अलग-अलग हाल में ट्रेनिंग दी गई। खंड शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश मिश्रा ने कहा कि बच्चों के मानसिक एवं भावनात्मक विकास के लिए स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम जरूरी है। बीआरसी में दी गई 2 दिन की ट्रेनिंग से बच्चों को जोड़ा जाएगा। प्रशिक्षण के दूसरे दिन शुक्रवार को दो दिवसीय ट्रेनिंग का समापन हुआ। इससे पूर्व संदर्भ दाताओं के साथ प्रशिक्षण लेने वाले सभी शिक्षक एवं शिक्षकों को खंड शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश मिश्रा ने प्रमाण पत्र दिया। समापन के अवसर पर कौड़िहार ब्लाक अध्यक्ष राधे कृष्ण, एआरपी अजमल अमीन अंसारी, विनीत सिंह यादव, राजेश शुक्ला, इमरान कलीम, धीरेंद्र श्रीवास्तव, अविनाश कुमार मौजूद रहे। उद्घाटन सत्र में दौरान एकेडमिक रिसोर्स पर्सन जय सिंह, प्रभाशंकर शर्मा, अवनीश कुमार सिंह, अजमल अमीन अंसारी, ब्लॉक अध्यक्ष राधेकृष्ण, राजेश शुक्ल आदि शिक्षक उपस्थित रहे। जबकि प्रशिक्षण लेने वालों में निशा मौर्य, इमराना मुश्ताक, सोनी यादव, फरहा नाज, अमृता सिंह, अफशां जबीं, पूनम, नेहा, शहाना बेगम, रत्ना, रिंकी सेठ, फहमीना कय्यूम आदि तमाम शिक्षक एवं शिक्षिका शामिल रहे।

फूलपुर में मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित करते सपाई

किसान गोष्ठी 5 दिसम्बर को कबरा प्राथमिक विद्यालय मेंआर पी पाण्डेय

करछना। तहसील क्षेत्र के कबरा, रवनिका, मनैया, डीहा, आमिलों,और आस पास के गांवों के सभी सम्मानित किसानों को सूचित किया जाता है की रविवार पांच दिसम्बर को प्राथमिक विद्यालय कबरा के प्रांगण में दिन में 12 बजे भारत सरकार की नमामि गंगे योजना के अन्तर्गत एक वृहद किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया है जिसमें नमामि गंगे योजना के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर व उनकी टीम की गरिमामई उपस्थिति होगी जिसके अंतर्गत किसानों को नमामि गंगे योजना के अन्तर्गत किसानों को मिलने वाले सरकारी लाभ के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। सभी किसान इस गोष्ठी में पहुंच कर सरकारी योजना का लाभ उठाएं। आयोजक शेष दुर्गा हर्बल प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड के निदेशक आर पी पाण्डेय ने समस्त किसान भाईयों को बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

उपकरण पाकर दिव्यांग जन हुए खुश

अखंड भारत संदेश

दिव्यांग उपकरण वितरित करते विधायक प्रवीण पटेल।

सहसों। विश्व विकलांग दिवस पर हुए आयोजन पर दिव्यांग जनों को उपकरण मिलने से उनके चेहरे खिल उठे एवं परिजनों ने सरकार की सराहना की। इसी क्रम में सहसों स्थिति छत्रपति शिवाजी डिग्री कॉलेज में शुक्रवार को दिव्यांग जनों के लिए कृत्रिम अंग सहायक उपकरण वितरण का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक प्रवीण पटेल ने कहा दिव्यांग जनों के लिए कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण उनके जीवन जीने के लिए बहुत ही मददगार साबित होगा। उन्होंने अपने संबोधन में कहा देश व प्रदेश की सरकार ऐसे दिव्यांग जनों के जीवन जीने के स्तर को सुधारने के लिए योजनाएं लगातार संचालित कर रही है। जिससे उनके जीवन यापन में अपेक्षित सुधार हो रहा है। इस मौके पर उपस्थित विशिष्ट अतिथि जिला उपाध्यक्ष भाजपा गंगा पार अनिरुद्ध सिंह पटेल ने अपने संबोधन में कहा दिव्यांग जनों की सेवा भाव एक अच्छा पुनीत कार्य है। समाज के हर सामर्थ्यवान व्यक्ति को दिव्यांग जनों के लिए समय-समय पर आवश्यकता के अनुरूप सहायता करनी चाहिए। इस अवसर पर जिला दिव्यांग जन कल्याण अधिकारी नंदकिशोर त्यागी ने कहा कि दिव्यांग जनों को भरण-पोषण एवं अनुदान शादी विवाह का प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अंतर्गत उचित धनराशि हर पात्रों के खाते में भेज दी गई है। इस आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ब्लॉक प्रमुख सहसों गीता सिंह ने सभी दिव्यांगों को हार्दिक शुभकामना देते हुए उपस्थित सभी अतिथियों एवं लोगों के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर पंजीकृत 50 दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल, 20 दिव्यांग को बैसाखी, 20 दिव्यांग को कान की मशीन तथा 10 दिव्यांग जनों को व्हीलचेयर प्रदान किया गया। इस मौके पर प्रमुख रूप से उपस्थित खंड विकास अधिकारी सुधाकर दुबे, प्रभारी वीडीओ निखिल मोहन, एडीओ पंचायत नरेंद्र दूबे, प्रकाश पटेल एडीओ समाज कल्याण, प्रमुख प्रतिनिधि शिव नारायण सिंह गप्पू एवं डी एन सिंह, मनीष केसरवानी सहित आदि उपस्थित रहे।

लखीमपुर खीरी की घटना में मृत किसानों को सपाइयों ने दी श्रद्धांजलि

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर फूलपुर में शुक्रवार को सपाइयों ने लखीमपुर खीरी की घटना में मृतक किसानों की स्मृति में कैंडल जलाकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। समाजवादी युवजन सभा के फूलपुर विधानसभा अध्यक्ष कुमार मंगल के नेतृत्व में जुटे सपा कार्यकताओं ने भाजपा सरकार पर तानाशाही करने का आरोप लगाया। सूबे की योगी सरकार पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए युवा नेता कुमार मंगल ने कहा कि तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी में भाजपा सरकार में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री के पुत्र द्वारा किसानों को गाड़ियों से रौंद कर उनकी हत्या कर दी गई। परन्तु उक्त गंभीर घटना में सरकार ने पक्षपात पूर्ण रवैया अपनाकर मृतकों के साथ अन्याय किया। इस दौरान सपाइयों ने लखीमपुर की घटना में जान गंवाने वाले किसानों की याद में कैंडिल जला कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर पर अनुराग यादव, नारेन्द्र यादव, आदित्य यादव, जन्मेजय सिंह, विजय यादव, सोनू पाल, महेंद्र यादव, विकास यादव, संतोष यादव, निखिल, राजेश, कमल सिंह सहित अन्य सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जायजा लेते मुख्य विकास अधिकारी आदि

रुर्बन मिशन कार्यो का निरीक्षण, दी गई चेतावनी

मुख्य विकास अधिकारी का 10 दिनों में कार्य पूरा करने के निर्देश

कोरांव। मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज शीपू गिरी के निर्देश पर आज श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन मिशन योजना के क्लस्टर बड़ोखर के विभिन्न ग्राम पंचायतो के निर्माण कार्यो का यंग प्रोफेशनल अभय मिश्रा द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कम्युनिटि हाल, एनिमल शेड, तालाब सौंदरीकरण में कार्यो की धीमी प्रगति पर फटकार लगाते हुए 10 दिवस के अंदर कार्य पूर्ण करने का आदेश दियोयंग प्रोफेशनल अभय मिश्रा क्लस्टर बड़ोखर ने वार्ता के दौरान बताया की बचे हुए निर्माण कार्यो को 10 दिवस के अंदर पूर्ण करने व प्रस्तावित निर्माण कार्यो को प्रारम्भ करने को कहा गया वही जिसके भी द्वारा लापरवाही की जायेगी उन्हें स्वयं मुख्य विकास अधिकारी के कठोर कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा वही इस दौरान सहायक अभियन्ता संजय मिश्रा व अवर अभियन्ता शरद शुक्ला मौजूद रहे।

पुष्प वर्षा कर मतदाता जागरूकता रैली का लोगों ने किया स्वागत

अखंड भारत संदेश

नैनी। हम सभी पढ़ लिखकर देश की सेवा भाव से कार्य करें। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश में आगामी महीनों में विधानसभा का चुनाव होना तय हैं। मतदाता अपने वोटों का 100% प्रयोग करें। इसी को देखते हुए बुधवार को नैनी के ब्याज इंटर कॉलेज के स्कूली छात्र छात्राओं ने मतदाता जागरूकता अभियान रैली निकाली। कई स्थान पर स्थानीय लोगों ने पुष्प वर्षा कर छात्र-छात्राओं व शिक्षक शिक्षिकाओं का स्वागत किया गया।

जानकारी के मुताबिक प्रयागराज जिला विद्यालय निरीक्षक के आदेशानुसार नैनी के सीओडी रोड के समीप स्थापित ब्याज इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य दुर्ग विजय यादव के नेतृत्व में स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र एवं छात्राओं ने आगामी विधानसभा चुनाव में मतदाता 100% अपने मतों का प्रयोग करें, एक रैली का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपने हाथों में लिखे तख्तियों के स्लोगन को बोलते हुए

मतदाता जागरूकता रैली निकालते स्कूली विद्यार्थी

सीओडी रोड से होते हुए विकासखंड चाका मुख्यालय, डांडी बाजार, महेवा चौराहे से लेकर इंदलपुर रोड, एफसीआई रोड तक रैली निकाली। बच्चों के उत्साह को देखते हुए कई स्थानों पर स्थानीय लोगों ने पुष्प से वर्षा कर उनका स्वागत भी किया। वहीं छात्र छात्राओं ने लोगों से अपील किया कि आगामी विधानसभा के चुनाव में अपने मतों का हर संभव प्रयास करें। ताकि हम एक अच्छे व्यक्ति को चुनकर विधानसभा में भेज सके और वह प्रदेश के साथ ही देश और समाज के हित में कार्य कर सके। बच्चों के द्वारा निकाले गए मतदाता जागरूकता रैली की प्रशंसा चारो ओर चर्चा का विषय का केंद्र बना रहा। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य दुर्ग विजय यादव ने लोगों से कहा कि आगामी महीनों में होने वाले चुनाव के दौरान हम सभी को अपने मतों का प्रयोग करना चाहिए और योग्य व्यक्ति को अपना मत देकर प्रदेश व देश की सेवा करने के लिए आगे भेजना चाहिए।

छात्रों ने लोगों से कहा योग्य व्यक्ति को चुनें जो देश की कर सके सेवा

न्यूज झरोखा

प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव की जनसभा 6 दिसम्बर को करछना के करेहा में

जिलाध्यक्ष ने बैठक और निरीक्षण कर सफलता की बनाई योजना

घूरपुर। प्रदेश मे पुनः कमल खिलाकर एतिहासिक जीत 2022 मे सुनिश्चित करने को लेकर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह का लगातार दौरा जारी है। इसी क्रम मे प्रयागराज यमुनापार के करछना विधानसभा के करेहा बाग में 6 दिसम्बर को मध्यान्ह 12 बजे एक विशाल जन सभा को संबोधित करेंगे। भारतीय जनता पार्टी जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने उपरोक्त जानकारी देते हुए आगे बताया कि जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने पदाधिकारियो और कार्यकर्ताओ संग बैठक करके सफल कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार कर ली है। गाँव-गावं प्रचार-प्रसार जोरो पर कार्यकर्ता कर रहे है। इस बार करछना के साथ यमुनापार और प्रयागराज की सभी सीटे भाजपा विकास और सेवा के कारण हासिल कर इतिहास रचेगी।

हीरो ऑफ नेशन चन्द्रशेखर आजाद फिल्म की हो रही शूटिंग

प्रतापपुर। देश की आजादी में शहीद हो गए राष्ट्रभक्त चन्द्रशेखर आजाद की जीवनी पर बन रही हिंदी फिल्म चन्द्रशेखर आजाद की शूटिंग शुक्रवार को उग्रसेनपुर में विमल सिंह की जमीदारी के समय मे कोठी पर और उसके आस पास फिल्म के अहम अंश को फिल्माया गया।फिल्म के राइटर व सह निमार्ता धीरज मिश्रा ने बताया फिल्म का निर्माण ब्लूमफेयर प्रोडक्शन एंड लालमनि फिल्म्स सहनिमार्ता जसबीर सिंह और अनुराधा भट्ट के सहयोग से हो रहा है।जिसमे चन्द्रशेखर आजाद की भूमिका में अभिनेता कबीर अहमद दिखेंगे वही पिता की किरदार में दिग्गज अभिनेता रजा मुराद,जरीना वहाब माता की भूमिका में दिखेंगी अभिनेता इमरान हसनी, पुनीत अग्रवाल अभिनेत्री रीतू सूद, कविता ठाकुर भी अहम किरदार के रूप में अभिनय करते नजर आएंगे।

सहसों से फाफामऊ मार्ग बेहद क्षतिग्रस्त, दे रही दुर्घटना को दावत

अखंड भारत संदेश

फोटो परिचय दुर्घटना को दावत देती सहसों से फाफामऊ मार्ग।

सहसों। सहसों से फाफामऊ मार्ग कई जगह बस्तियों के पास पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। दुर्घटना आए दिन राहगीरों के लिए मुंह फैलाए खड़ी है। स्थानीय नागरिकों ने कई बार संबंधित अधिकारियों को इससे अवगत भी कराया। परंतु सड़क की मरम्मत नहीं की जा सकी जिसके चलते आवागमन कर रहे दो पहिया वाहन से लेकर चार पहिया वाहन के लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं पर रात्रि के समय सड़क पर बिखरी गिट्टीया दुर्घटना का सबब बन रही है।

लगभग दो वर्ष पूर्व बनी सहसों से फाफामऊ मार्ग वर्तमान समय में कई जगह क्षतिग्रस्त हो गई है जिसके कारण दो पहिया वाहन से लेकर आवागमन कर रहे राहगीर गिट्टियो में फंस कर चोटिल हो रहे हैं। सहसों के समीप ललचहा गांव के सामने लगभग 15 से 20 मीटर सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। गत दिनों दुर्घटना के पश्चात विभागीय अधिकारियों ने गिट्टी डालकर छोड़ दिया था। जिसके चलते राहगीर वाहन सहित गिरकर चोटिल हो रहे हैं। इसी तरह बसमहुआ, रामनगर आदि स्थानों पर पूरी सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। यहां तक कि दोनों तरफ एक मीटर बढ़ी हुई सड़क भी खराब हो चुकी है। जिसके चलते पैदल, साइकिल आदि से आवागमन कर रहे लोग कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। इसी तरह गारापुर बाजार में बनाई गई सीसी रोड भी पूरी तरह से खराब हो चुकी है। जिस पर दिन में तो राहगीर आवागमन कर लेते हैं परंतु रात्रि के समय आवागमन कर रहे राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। इस संबंध में स्थानीय नागरिकों ने कई बार विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया। परंतु सहसों से फाफामऊ मार्ग पर मरम्मती करण नही किये जाने से आए दिन दुर्घटना हो रही है। जिससे स्थानीय लोगों में बेहद आक्रोश व्याप्त है।

जिला पंचायत सदस्य के पत्र पर विभागीय मंत्री ने दिया नेदुला नहर की सफाई का निर्देश

जंघई। जिला पंचायत सदस्य वार्ड नंबर एक प्रतापपुर बृजकुमारी पांडेय के पत्र के संज्ञान में नेदुला नंदापुर से सरयूपट्टी तक सिंचाई विभाग द्वारा निर्मित नहर में सफाई, चौड़ीकरण एवं लाइनिंग कराये जाने का निर्देश डाक्टर महेंद्र सिंह मंत्री जल शक्ति विभाग द्वारा पत्र अपर मुख्य सचिव सिंचाई विभाग को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित कर दिया है।किसानों की फसल नहर में जलभराव के कारण चौपट हो जाती थी नहर की सफाई न होने के कारण पानी निकल नहीं पाता था जिसके कारण आम किसानों की फसलें डूब जाती थी नहर की सफाई, चौड़ीकरण एवं लाइनिंग की खबर सुनकर किसानों में खुशी की लहर है सभी ने जिला पंचायत सदस्य एवं इंजीनियर घनश्याम पांडेय का आभार जताया है।

असवां हनुमान मंदिर से चांदी का गदा व मुकुट चोरी

जंघई। असवां गाँव मे हनुमान मंदिर से बीती रात चोरों ने हनुमानजी का चांदी का गदा व चांदी का मुकुट चुरा लिया चोरी की जानकारी होने पर मंदिर के मालिक ने पुलिस को सूचना दी तो मौके पर पहुची पुलिस जांच मे जुट गयी है।जंघई चौकी क्षेत्र के असवां गाँव निवासी कृष्ण कुमार मिश्रा के घर के पास बाऊंड्री के अंदर हनुमान जी का मंदिर है बीती रात चोरो ने मंदिर के अंदर से हनुमान जी का चांदी का गदा व मुकुट चुरा लिया है। शिव मंदिर से तांबे का नागराज भी चुरा ले गये।मंदिर के मालिक सुब्रह चोरी की जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दिया मौके पर पहुंचे जंघई चौकी प्रभारी हरिनारायण पटेल पहुंच कर मामले की जांच में जुट गये है।

खबर संक्षेप

पांच दिसंबर को प्रयागराज आएंगे राहुल गांधी, स्वराज भवन में गुजारेंगे रात

प्रयागराज। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पांच दिसंबर को प्रयागराज आएंगे। उनका चार्टर्ड प्लेन दिन के 11 बजे बम्हरौली एयरपोर्ट पर उतरेगा। इसके बाद वह सड़क मार्ग से सीधे स्वराज भवन जाएंगे। इस दौरान शाम को वह एक शादी समारोह में हिस्सा लेंगे। वर-वधू को आशीर्वाद देने के बाद वह स्वराज भवन में ही रात्रि विश्राम भी करेंगे। इसके बाद वह दूसरे दिन छह दिसंबर को दिल्ली रवाना होंगे।

संगमनगरी में राहुल गांधी के आगमन की तैयारियां तेज हो गई हैं। उनके आगमन के मद्देनजर खासतौर से स्वराज भवन को सजाया-संवारा जा रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी कमला नेहरू स्मारक ट्रस्ट के एक ट्रस्टी के पुत्र के वैवाहिक समारोह में हिस्सा लेने के लिए आ रहे हैं। राहुल गांधी के इस निजी दौरे की जानकारी मिलने के बाद स्वराज भवन प्रबंधन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसे उनका निजी दौरा बताया जा रहा है। इस दौरान राहुल गांधी पार्टी नेताओं से सार्वजनिक तौर पर न तो मिलेंगे और ना ही संगठनात्मक रूप से किसी तरह की चर्चा करेंगे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी पांच दिसंबर को चार्टर्ड प्लेन से दिन के 11 बजे एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां से वाहनों के काफिले के साथ वह स्वराज भवन आएंगे। शाम को शादी समारोह में हिस्सा लेने के बाद वह स्वराज भवन में रात्रि विश्राम भी करेंगे। इसके बाद छह दिसंबर को वह चार्टर्ड प्लेन से दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे।

बीडीओ दफ्तार में बहस के दौरान प्रधानपति की मौत

अखंड भारत संदेश

बीडीओ और पूर्व प्रधान के पति पर दर्ज हुआ केस

मौत के बाद रोते बिलखते परिजन

मांडा प्रयागराज। बकाया रुपये के भुगतान को लेकर बीडीओ कार्यालय में हुई बहस के दौरान हालत बिगड़ने से कनेवरा गांव के प्रधान पति की मौत हो गई। इस मामले में मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने बीडीओ मांडा व पूर्व प्रधान प्रतिनिधि के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। प्रधान संघ अध्यक्ष मांडा की अगुआई में जुटे प्रधानों ने एक शोक सभा कर आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग की है, उधर, पोस्टमार्टम के बाद शव जब घर पहुंचा तो कोहराम मच गया।

गुरुवार को बीडीओ कार्यालय परिसर में ग्राम पंचायत कनेवरा में कराए गए विकास कार्य के बकाया भुगतान को लेकर पूर्व प्रधान प्रतिनिधि विजय प्रकाश मिश्र उर्फ राकेश व वर्तमान प्रधान पति रंगनाथ मिश्र के बीच नोकझोंक हुई। जिसके चलते कनेवरा गांव के वर्तमान प्रधान के पति रंगनाथ मिश्र (59) की तबियत बिगड़ गई। आनन फानन में उन्हें इलाज के लिए प्रयागराज ले जाने की तैयारी चल रही थी कि उनकी मौत हो गई। शुक्रवार को मृतक प्रधान पति रंगनाथ के भाई शेषनाथ मिश्र ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि गांव के पूर्व प्रधान लाल बिहारी मिश्र के पुत्र विजय मिश्र उनके मृतक भाई से ग्राम पंचायत में कराए गए विकास कार्य के नाम पर पांच लाख रुपये की मांग कर रहे मना करने पर आरोपी उनके मृतक भाई को गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देता था। गुरुवार को बीडीओ मांडा शिव गोविंद ने अपने चेंबर में रंगनाथ को बुलाकर बकाया रुपए के भुगतान का दबाव बनाया और भुगतान नहीं होने तक पंचायत निधि खाता पर रोक लगाए जाने की चेतावनी दी। इस दौरान चेंबर में पहले से मौजूद आरोपी विजय मिश्र ने रंगनाथ के साथ गाली-गलौज करते हुए धक्का-मुक्की की। जिससे हालत बिगड़ी और उनकी मौत हो गई। पुलिस ने दोनो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। दोपहर बाद मृतक प्रधान पति का शव गांव पंहुचा तो मृतक की पत्नी कलावती देवी, बेटा कृष्ण प्रसाद, संजय, अजय का रो-रोकर बुरा हाल रहा। प्रधान संघ इकाई मांडा अध्यक्ष प्रतिनिधि राजमणि द्विवेदी की अगुआई में ब्लॉक परिसर में एक शोकसभा की गई। श्रद्धांजलि सभा में जुटे ग्राम प्रधानों ने शोक सभा के बाद दोनों आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग की।

सहायक आयुक्त ने किया धान क्रय केंद्रों का दौरा

अखंड भारत संदेश

सहायक आयुक्त खुले धान क्रय केन्द्रों का औचक निरीक्षण करते

जसरा। सहायक आयुक्त/जिला सहायक निबंधक सहकारी समिति प्रयागराज प्रमोद वीर आर्य ने जसरा में खुले धान क्रय केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एआर सहकारिता बुदांवा, रेरा में धान क्रयकेन्द्रों के प्रभारियों से धान खरीद की जानकारी ली। साथ ही क्रय केन्द्र पर पहुंचने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रभारियों को बताया कि किसान के धान की खरीद तय मानक के अनुसार करें। किसानों को परेशानी होने से बचाएं। एआर कोआपरेटिव जसरा के बाद शंकरगढ़ में खुले क्रयकेन्द्रो लेदर,शंकरगढ़ व गाढ़ा कटरा क्रयकेन्द्रों की भी जांच की। इस मौके पर सहायक विकास अधिकारी कोआपरेटिव जसरा राकेश सिंह के साथ ही क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

टीजीटी-पीजीटी भर्ती की मांग को लेकर चयन बोर्ड पर प्रदर्शन

चयन बोर्ड पर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते छात्र

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। टीजीटी-पीजीटी भर्ती की मांग को लेकर शुक्रवार को प्रतियोगी मोर्चा के नेतृत्व में प्रतियोगियों ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड पर प्रदर्शन किया। प्रतियोगी ने छह सूत्रीय मांगों का ज्ञापन उपसचिव को दिया।

प्रतियोगी मोर्चा के अध्यक्ष विक्की खान का दावा है कि उपसचिव ने नई भर्ती को लेकर बताया कि अधियाचन मांगने के लिए पोर्टल खोल दिया गया है। प्रयास है कि अधिसूचना के पहले विज्ञापन जारी कर दिया जाए। इस पर अभ्यर्थियों ने उपसचिव को धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके अलावा अभ्यर्थियों ने मांग किया है कि 2016 एवं 2021 की प्रतीक्षा सूची में चयनित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग कर विद्यालय आवंटन किया जाए। साथ ही जीव विज्ञान 2011 का परिणाम शीघ्र घोषित किए जाने, प्रधानाचार्य 2011 और 2013 का साक्षात्कार जल्द कराने की मांग की।

अनिल भूषण ने संभाला सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी का कार्यभार

प्रयागराज। यूपी टीईटी पेपर लीक केस में संजय उपाध्याय के निलंबन और उन्हें गिरफ्तार किए जाने के बाद अनिल भूषण चतुर्वेदी को दोबारा परीक्षा नियामक प्राधिकारी बनाया गया है। शुक्रवार को उन्होंने कामकाज संभाल लिया। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) लखनऊ में संयुक्त निदेशक प्रशिक्षण के पद पर कार्यरत अनिल भूषण गुरुवार को वहां से कार्यमुक्त होकर प्रयागराज देरशाम पहुंचे। शुक्रवार को सुबह कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। वहीं रजिस्ट्रार विभागीय परीक्षाएं के पद पर तैनात मनोज कुमार अहिरवार के दोपहर बाद कार्यभार ग्रहण करने की उम्मीद है। गौरतलब है कि 28 नवंबर को यूपी-टीईटी का पेपर लीक होने के कारण पहले निलंबित और बाद में गिरफ्तार पूर्व सचिव संजय कुमार उपाध्याय के स्थान पर अनिल भूषण चतुर्वेदी को भेजा गया है। अनुभवी अफसर अनिल भूषण पहले भी सितंबर 2018 से जून 2021 तक सचिव के पद पर रह चुके हैं और 69000 भर्ती के साथ ही 2018 व 2019 की टीईटी इन्होंने ही कराई थी। पेपर लीक होने के बाद सीएम योगी ने एक महीने के अंदर दोबारा ये परीक्षा आयोजित करने का आदेश दिया था। माना जा रहा है इसी महीने दोबारा ये परीक्षा आयोजित की जा सकती है। गौरतलब है कि 28 नवंबर को टीईटी 2021 परीक्षा रविवार को दो पालियों में होनी थी। प्रदेश भर में प्रथम पाली में दस से साढ़े बारह बजे तक 2554 केंद्रों पर प्राथमिक स्तर की परीक्षा का आयोजन किया जाना था और द्वितीय पाली में 2:30 से पांच बजे तक 1754 केंद्रों पर उच्च प्राथमिक स्तर की परीक्षा का आयोजन होना था। उल्लेखनीय है कि टीईटी प्राथमिक स्तर की परीक्षा के लिए 13.52 लाख और टीईटी उच्च प्राथमिक स्तर की परीक्षा के लिए 8.93 लाख अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इससे पहले 2019 में आयोजित हुई यूपीटेट में 16 लाख और 2018 में आयोजित हुई इस परीक्षा में तकरीबन 11 लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। टीईटी परीक्षा में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में अभ्यर्थी भाग लेने जा रहे थे। इस मामले में एसटीफ ने प्रदेश भर में कई जगह छापेमारी की है। कई लोग हिरासत में लिए गए हैं।

टीईटी पेपर लीक मामले में वांछित सहायक लेखाधिकारी गिरफ्तार

प्रयागराज। टीईटी पेपर लीक प्रकरण में वांछित सहायक लेखाधिकारी देव प्रकाश पांडेय(35) शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। एसटीएफ लखनऊ की टीम ने उसे कोखराज स्थित ननमई मोड़, पहलवान ढाबा से पकड़ा। 28 नवंबर को मामले का भंडाफोड़ होने के साथ ही वह फरार हो गया था। एसटीएफ ने उसे कोखराज पुलिस को सौंप दिया जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया। एसटीएफ के मुताबिक, टीईटी के दौरान कोखराज स्थित परीक्षा केंद्र से रोशन सिंह पटेल को गिरफ्तार किया गया था। उससे पूछताछ में सहायक लेखाधिकारी के नाम का खुलासा हुआ था। रोशन ने बताया कि उसके पास टीईटी के लीक प्रश्नपत्र की कॉपी व्हाट्सएप के जरिए देवप्रकाश ने भेजी थी। जिसके बाद से एसटीएफ उसकी तलाश में जुटी थी। अफसरों के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी देवप्रकाश ने बताया कि वह पांच सालों से रोशन को जानता है। उसके मोबाइल पर टीईटी प्रश्नपत्र की कॉपी व्हाट्सएप से आई थी लेकिन वह भेजने वाले को नहीं जानता। जिसके बाद उसने रोशन के मोबाइल पर इसे फॉरवर्ड कर दिया था। हालांकि रोशन के पकड़े जाने केबाद उसने अपने मोबाइल से इसे डिलीट कर दिया था। एसटीएफ अब उस नंबर के बारे में पड़ताल में जुटी है जिससे उसके मोबाइल पर प्रश्नपत्र की लीक कॉपी भेजी गई।

कार्यालय ग्राम पंचायत रामगढ़, वि.ख. करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

मनरेगा/चतुर्थ राज्य वित्त/14वां/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत ग्राम पंचायत रामगढ़ विकास खण्ड करछना में अद्योलिखित कार्यों के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 02–12–2021 से दिनांक 07–12–2021 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत रामगढ़ में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 12–12–2021 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जायेगा। टेन्डर/कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 12–12–2021 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	श्याम बहादुर के घर से तालाब तक पक्की नाली निर्माण कार्य (ल. 200 मी.)	250000	15 दिन
2.	पक्की सड़क से डीहा सरहद तक पक्की नाली निर्माण कार्य (ल. 400 मी.)	500000	15 दिन

कृष्णावती
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत रामगढ़
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

पत्रांकः मेमो/ग्रा.पं.वि.अ./टेण्डर/कोटेशन/2020–21/ दिनांक

संजीव श्रीवास्तव
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत रामगढ़
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

यूपी टीईटी पेपर लीक में बीजेपी के लोगों के खुलाशे से आक्रोशित छात्रो ने फूंका योगी आदित्यनाथ का पुतला

करछना। यूपी टीईटी परीक्षा 2021 के धांधली में लिप्त गिरोह जोकि भाजपा के मिलने से अक्रोशित छात्रों ने योगी सरकार का पुतला दहन किया। बीजेपी विधायक रश्मि के भाई व भाजपा का खासमखास अनूप राय को यूपी टेट परीक्षा पेपर लीक में मुख्य रूप से एसटीएफ ने पकड़ा है उक्त मामले से आक्रोशित ठरवक कार्यकताओं ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ भवन पर सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ का पुतला दहन किया और सरकार विरोधी नारे लगाए। ठरवक जिलाध्यक्ष अक्षय यादव क्रांतिवीर ने कहा कि यह सरकार भ्रष्टाचार की जननी है,दुष्कर्म हो या हत्याएं या कोई धांधली सब मे बीजेपी के लोग आपको पकड़ में मिलेंगे ऐसे में भ्रष्ट निकम्मी निरलज्ज सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए हम युवा शपथ लेते है। यूपी टीईटी पेपर लीक से सभी प्रतियोगी परीक्षार्थियों के अरमानों व सपनों पर पानी फिर गया। छात्रों की मांग है योगी जी इस्तीफा दें और यूपी टीईटी पेपर लीक के इस मामले की सीबीआई जांच कराकर आरोपियों एवं विभाग के कर्मचारियों पर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। पुतला दहन करने वालों में जिलाध्यक्ष अक्षय यादव क्रांतिवीर,सत्यम कुशवाहा,दीपक राय, सारस्वत नितीन,धीरेंद्र सिंह, इंद्रजीत मौर्या,अभिषेक शुक्ला,अनिल यादव,विजय प्रताप आदि ठरवककार्यकर्ता मौजूद रहे।

आनंद गिरि की जमानत अर्जी पर हाईकोर्ट ने सीबीआई से मांगा जवाब

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मठ बाघंबरी गद्दी के महंत व अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रहे नरेंद्र गिरि को आत्महत्या के उकसाने के आरोप में जेल में बंद आनंद गिरि की जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीबीआई से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने सीबीआई को तीन हफ्ते का समय दिया है। आनंद गिरि इसके पहले विशेष अदालत में जमानत अर्जी दाखिल कर चुके हैं, लेकिन विशेष अदालत ने उनकी याचना को खारिज कर दिया। इसके बाद आनंद गिरि ने हाईकोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की है।मामले की सुनवाई जस्टिस राहुल चतुर्वेदी की एकल पीठ कर रही है। याची आनंद गिरि का पक्ष रखते हुए अधिवक्ता इमरान उल्ला ने कोर्ट को बताया कि मामले में याची बेगुनाह है और उसे गलत तरीके से फंसाया गया है। याची के अधिवक्ता ने खुदकुशी नोट पर भी सवाल खड़े किए और उसे संदिग्ध बताया। कहा कि याची का नाम सुसाइड नोट में सामने आया है। इसके अलावा याची के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है। घटना के समय वह शहर से दूर हरिद्वार में था। उसे जार्जटाउन एसएचओ के द्वारा फोन पर घटना की जानकारी दी गई। याची के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि खुदकुशी नोट में कटिंग है और अगस्त 2021 में दिवंगत हो चुके संत का भी नाम आया है और नोट मृतक महंत के द्वारा नहीं लिखा गया है। झूठे आरोप में याची 22 सितंबर से ही नैनी सेंट्रल जेल में बंद हैं। सीबीआई की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता ज्ञान प्रकाश व संजय यादव ने बहस की। इस पर कोर्ट ने सीबीआई का पक्ष जानना चाहा। सीबीआई के अधिवक्ताओं ने तर्क दिया कि मामले में दिल्ली की टीम जांच कर रही है। उन्हें जवाब दाखिल करने के लिए छह हफ्ते का समय दिया जाए। लेकिन, याची के अधिवक्ताओं ने इसका विरोध किया। कहा कि मामला स्थानीय है और सीबीआई को इतना वक्त नहीं दिया जाना चाहिए। इस कोर्ट पर ने तीन हफ्ते में सीबीआई को जवाब देने का आदेश दिया। सीबीआई के अधिवक्ता संजय यादव ने बताया कि मामले की अगली सुनवाई 20 दिसंबर को होगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत करमा विकास खण्ड कौंधियारा, प्रयागराज

निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021–22 में ग्राम पंचायत करमा, विकास खण्ड–कौंधियारा में कराये जाने वाले कार्यो मनरेगा, राज्य वित्त, 15वां वित्त, हैण्डपम्प मरम्मत व रीवोर, नाली, खडंजा निर्माण व मरम्मत शौचालय निर्माण प्रयुक्त होने वाली सामग्री के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है। विकास खण्ड की पंजीकृत फर्मे 03–11–2021 से 10–11–2021 तक आवेदन कर सकती है। निविदा दिनांक 12–11–2021 को 12 बजे दिन को ग्राम पंचायत में खोली जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	पप्पू नाटे के घर से मूलचन्द्र भारतीया के घर व सोनू भारतीया के घर तक इंटरलाकिंग कार्य	1.397 लाख	15 माह
2.	अजय केसरवानी के घर से मो. याकूब के घर तक इंटरलाकिंग कार्य	1.074 लाख	15 माह
3.	मुमताज के घर से अहमदुन के घर तक इंटरलाकिं कार्य	1.20 लाख	15 माह
4.	हजारी सोनी के घर से कलीम के घर तक इंटरलाकिंग कार्य	1.50 लाख	15 माह
5.	बेचू गुप्ता के घर से प्यारे लाल कुशवाहा के घर तक इंटरलाकिंग एवं नाली कार्य	2.00 लाख	15 माह

मिथिलेश जायसवाल
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत करमा
वि. ख. कौंधियारा, प्रयागराज।

पत्रांकः मेमो/ग्राम पंचायत / टेण्डर/कोटेशन/2021–22/दिनांक

नील कृष्ण प्रजापति
(ग्राम विकास अधिकारी)
ग्राम पंचायत करमा
वि. ख. कौंधियारा, प्रयागराज।

हरिश्चंद्र मार्ग पर पुल के लिए संत पुरोहितों ने उठाई आवाज

अखंड भारत संदेश

माघमेला सलाहकार समिति की बैठक में शामिल संत

प्रयागराज। माघ मेला सलाहकार समिति की बैठक में शुक्रवार को आचार्यबाड़ा, दंडीबाड़ा के साधु-संतों और तीर्थपुरोहितों ने उत्तर दिशा में मेला विस्तार को देखते हुए हरिश्चंद्र मार्ग पर छठवां पांटून पुल बनाने के लिए आवाज उठाई। धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों का कहना था कि जिस तरह कटान से मेले का बड़ा क्षेत्रफल प्रभावित हुआ है,उससे मेले का विस्तार करने के साथ ही एक और पुल बनाने के अलावा कोई चारा नहीं है। कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए प्रोटोकॉल के तहत मेला बसाने पर चर्चा हुई। भूमि समतलीकरण के लिए ट्रैक्टर की संख्या बढ़ाने और समय रहते बिजली, पानी, चिकित्सा और सफाई इंतजामों को पूरा करने की हिदायत दी गई। आईट्रिपलसी सभागार में हुई सलाहकार समिति की बैठक में अचार्यबाड़ा,दंडीबाड़ा के संतों, महंतों के अलावा प्रयागवाल तीर्थपुरोहितों ने माघ मेले में से जुड़ी समस्याओं और मूलभूत सुविधाओं का मुद्दा उठाया। इस दौरान अफसरों ने बताया कि महावीर मार्ग, सरस्वती मार्ग और अक्षयवट मार्ग पर कटान की वजह से दर्जनों संस्थाओं की भूमि गंगा में विलीन हो गई है। ऐसी संस्थाओं को दूसरे सेक्टरों में बसाने पर चर्चा की गई। साथ ही यह भी कहा गया कि कटान की वजह से कम हुई भूमि का दायरा सेक्टर पांच की ओर बढ़ाना पड़ेगा।ऐसे में हरिश्चंद्र मार्ग पर एक और पांटून पुल का निर्माण कराया जना चाहिए। इस पर डीएम संजय खत्री और मेलाधिकारी शेषमणि पांडेय का कहना था कि इसके लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। अगर बजट मिला तो हरिश्चंद्र मार्ग पर पुल का निर्माण कराया जाएगा। ताकि संतों, भक्तों और कल्पवासियों को आवागमन में दिक्कतों का सामना न करना पड़े। डीएम ने भूमि आवंटन पर संतसमाज को भरोसा दिलाया कि इसके लिए भूमि की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय लिया जाएगा। इस मौके पर सीडीओ शिपू गिरि, एसपी सिटी दिनेश कुमार भी मौजूद थे।

मेले में आए हुए कल्पवासियों के लिए खुलेंगी राशन की दुकानें

माघ मेले में आने वाले संतों और कल्पवासियों के लिए सरकारी कोटे की दुकानें खोली जाएंगी। वहां से कल्पवासी राशन की उठान कर सकेंगे। महिलाओं के लिए घाटों पर चेंजिंग रूम स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही रैन बसेरों को भी खोला जाएगा, ताकि मेले में आने वाले गरीब रातें गुजार सकें।

वैक्सीन की दूसरी डोज लेने का प्रमाण पत्र साथ में लाना अनिवार्य

माघ मेले में आने वाले साधु-संतों, कल्पवासियों को कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज लेने का सर्टिफिकेट साथ लाना होगा। डीएम ने संत समाज के अलावा धार्मिक, सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधियों से अपील की कि मेले में आने वाले लोगों से डबल डोज के टीके का प्रमाण पत्र और आरटीपीसीआर रिपोर्ट साथ लाने के लिए बता दिया जाए।

बेहतर संचार व्यवस्था के लिए लगाए जाएं टॉवर

डीएम ने माघ मेले में पेयजल, एलपीजी गैस सिलेंडर की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने मेला क्षेत्र में बेहतर संचार व्यवस्था बनाए रखने के उपायों पर भी चर्चा की। कहा उचित संचार व्यवस्था के लिए अधिक मात्रा में टॉवर मेला क्षेत्र में स्थापित कराए जाएं, ताकि नेटवर्क की समस्या न आने पाए।

भारत कभी पूर्ण रुप से परतंत्र नहीं रहा : पीयूषकांत

अमृत महोत्सव आयोजन समिति द्वारा साकेत महाविद्यालय में हुई शैक्षिक संगोष्ठी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अमृत महोत्सव आयोजन समिति. द्वारा साकेत महाविद्यालय में शैक्षिक संगोष्ठी और भारत माता पूजन का कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता डॉ नीलिमा श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ पीयूष कांत शर्मा, मुख्य वक्ता डॉक्टर सौरभ पांडेय और विशिष्ट अतिथि प्रभा शंकर पांडेय रहे। कार्यक्रम का संचालन अनंत प्रकाश शुक्ल ने किया।

इस दौरान अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने विषय प्रवर्तन और आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि डॉक्टर पीयूष कांत शर्मा ने कहा कि भारत एक गौरवशाली राष्ट्र रहा है। यह कभी पूर्ण रूप से परतंत्र नहीं रहा।

साकेत महाविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में मौजूद अतिथिगण

मुख्य वक्ता डॉ सौरभ पांडेय ने कहा कि हम स्वाधीनता से स्वतंत्रता की ओर बढ़ रहे हैं। विशिष्ट अतिथि प्रभा शंकर पांडेय ने कहा कि 19 दिसंबर को राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में वंदे मातरम सामूहिक गायन कार्यक्रम होगा। अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ नीलिमा श्रीवास्तव ने अमृत महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कार्यक्रम की संयोजिका डॉ अनीता पांडेय, डॉ संतोष मिश्र, अनूप दत्ता, महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक प्राध्यापिका व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संकल्प दिवस के रुप में मना जेपी नड्डा का जन्मदिवस

प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संतोष मिश्रा ने बाबागंज स्थित कैंप कार्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का जन्म दिवस मनाया। कार्यक्रम में श्री मिश्र ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के जन्मदिवस को संकल्प के रूप में लेकर उत्तर प्रदेश में भाजपा का परचम लहराया जाएगा। इस दौरान कार्यकताओं का मुंह मीठा करा कर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का जन्म दिवस मनाया गया। कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि पुनः उत्तर प्रदेश में भाजपा को विजेता बनाएंगे। इस दौरान प्रमुख रुप से सदर मंडल अध्यक्ष महावीर पाल, सुधीर दुबे, नवीन कुमार, आशुतोष मिश्रा, अनुरूप पटेल, सदर मंडल महामंत्री अजय मिश्रा, इंद्र प्रताप सिंह, कृष्ण प्रताप सिंह सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

मनाया गया अधिवक्ता दिवस, सिविल जज को मिला सम्मान

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। अधिवक्ता दिवस पर स्थानीय दीवानी न्यायालय मे दिवंगत राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती पर विधिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सिविल जज ललिता यादव तथा संयुक्त अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष उमेश नारायण तिवारी ने डा. राजेन्द्र प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। संगोष्ठी को बतौर मुख्यअतिथि संबोधित करते हुए सिविल जज ललिता ने कहा कि भारतीय संविधान मे प्रत्येक नागरिक को पूर्ण न्याय का अधिकार निहित है। उन्होनें कहा कि देश के कानूनविदो ने भारतीय न्यायपालिका को विश्वपटल पर सर्वश्रेष्ठ बनाये रखने एवं लोकतंत्र की संरक्षा मे आजादी से लेकर वर्तमान दौर मे समग्र भूमिका का निर्वहन जारी रखा है। कार्यक्रम के संयोजक उमेश नारायण तिवारी ने अधिवक्ता दिवस पर सिविल जज ललिता यादव तथा वरिष्ठ अधिवक्ता पवन पाण्डेय को अंगवस्त्रम तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। संगोष्ठी को उपाध्यक्ष संतोष पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल, अनिल महेश, कालिका प्रसाद पाण्डेय ने भी संबोधित करते हुए देश के निर्माण मे अधिवक्ताओं के योगदान व संघर्ष पर प्रकाश डाला। संचालन पूर्व अध्यक्ष देवी प्रसाद मिश्र ने किया। इस मौके पर संजय ओझा, जान्हवी प्रसाद सिंह, वीरेन्द्र सिंह, शशिशेखर पाण्डेय, रामसेवक, विनय शुक्ल, आशुतोष सिंह आदि अधिवक्ता रहे। इधर तहसील सभागार मे भी संयुक्त अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष संतोष पाण्डेय तथा पूर्व महामंत्री हरिशंकर द्विवेदी के संयोजन मे अधिवक्ता दिवस का आयोजन किया गया। यहां अधिवक्ताओं ने डा. राजेन्द्र प्रसाद के राष्ट्रीय निर्माण एवं विधि के क्षेत्र मे योगदान पर प्रकाश डाला। इस मौके पर टीपी यादव, सुमित त्रिपाठी, शहजाद अंसारी, शेष तिवारी, कमलेश तिवारी, रामलगन यादव, संदीप सिंह, विकास मिश्र, शैलेन्द्र शुक्ल आदि अधिवक्ता रहे।

वधायक ने दो गांवो को सौंपी करोडो की विकास परियोजना

सराय जगत मे जनसभा को संबोधित करते प्रमोद तिवारी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने शुक्रवार को सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी के साथ क्षेत्र के दो गांवो को करोडो की शुद्ध पेयजल योजना से जोडने की समारोहपूर्वक शुरूआत की। विधायक मोना एवं प्रमोद तिवारी के विकास परियोजना के भूमि पूजन को लेकर ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे दिखे।

वहीं क्षेत्र के सराय जगत मे आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक मोना ने कहा कि रामपुरखास मे निर्माण तथा विकास का यह मिशन सदैव सफलता का स्वर्णिम अध्याय लिखता नजर आयेगा। उन्होने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए पेयजल की शुद्ध आपूर्ति कराना समय की सबसे बडी आवश्यकता है। विधायक मोना ने कहा कि मधुकरपुर तथा सराय जगत मे इस पेयजल योजना के पूर्ण होने के बाद हर जरूरतमंद को घर घर पीने के पानी की उपलब्धता सार्वजनिक विकास की एक बडी उपलब्धि होगी। जनसभा की अध्यक्षता करते हुए सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी ने कहा कि विधायक के प्रयास से रामपुरखास मे सडक, बिजली तथा पेयजल एवं प्रारंभिक से लेकर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र मे भी इसे सर्वश्रेष्ठ नेतृत्वकर्ता क्षेत्र का दर्जा भी वह दिलायेगें। श्री तिवारी ने जनसभा मे खाद तथा उर्वरक एवं बीज की कालाबाजारी को लेकर भी सरकारी कुप्रबंधन की तल्ख आलोचना की। उन्होनें जनता से विकास तथा अमन के वातावरण को मजबूती प्रदान करने मे सहयोग का आहवान किया। जनसभा की अध्यक्षता ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष केडी मिश्र व संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। ग्राम प्रधान धर्मेन्द्र मौर्य व पूर्व प्रधान कमलेश मिश्र ने जनसभा का सफल संयोजन करते दिखे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के लिये न्यायिक मजिस्टेज्ट के साथ बैठक सम्पन्न

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय लोक अदालत 11 दिसम्बर के सफल आयोजन के सम्बन्ध में जनपद न्यायालय के सभागार कक्ष में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय शंकर पाण्डेय के निर्देशन में समस्त सम्मानित न्यायिक मजिस्टेज्ट न्यायालय के साथ बैठक की गयी। बैठक की अध्यक्षता लोक अदालत के नोडल अधिकारी आलोक द्विवेदी द्वारा की गयी। बैठक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार त्रिपाठी द्वारा सभी न्यायिक अधिकारियों से अपेक्षा किया गया कि सभी न्यायिक अधिकारी अपने न्यायालय से उन्हें अधिक से अधिक मामलें चिन्हित करने के लिये अपने कर्मचारियों को निर्देशित किया जाये ताकि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कराया जा सके। बैठक में मनोज कुमार द्वितीय मुख्य न्यायिक मजिस्टेज्ट, सिविल जज सी0डि0 प्रदीप कुमार शुक्ला, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्टेज्ट आकांक्षा मिश्रा सहित समस्त न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

देश व प्रदेश में सनातन धर्म की हो रही रक्षाः धीरज

भगवान परशुराम ब्राह्मण रत्न अलंकरण समारोह सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। रानीगंज विधायक अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा ने बभनमई में आयोजित भगवान परशुराम ब्राह्मण रत्न अलंकरण समारोह में सम्पूर्ण विधानसभा क्षेत्र से पधारे पं विनोद तिवारी, पं शशिकांत तिवारी, पं शोभनाथ पाण्डेय, पं अनुज मिश्र, पं ब्रम्हदीन, पं बलराम मिश्र व्याकरणाचार्य, पं शिव दयाल मिश्र, पं शिवदयाल मिश्र, पं बृजेश नारायण त्रिपाठी, पं वाचस्पति मिश्र, पं अमितोष मिश्र व पं शीताभचंद्र समेत कई परम सम्मानित पुरोहित ब्राह्मणों एवं आचार्यों का पाद प्रच्छालन व तिलक लगाकर उनका अभिनंदन करते हुए उन्हें पूजन सामग्री किट, अंगवस्त्र व कम्बल सप्रेम भेंट किया।

क्षेत्रीय विधायक धीरज ओझा द्वारा प्रारंभ की गई इस नई पहल पर आचार्यों एवं ब्राह्मणों में अत्यधिक उत्साह का माहौल देखा गया। समस्त आचार्यों एवं ब्राह्मणों ने उन्मुक्त कंठ से विधायक के इस आयोजन की सराहना करते हुए उन्हें अपना आशीर्वचन प्रदान किया। इस दौरान विधायक धीरज ओझा ने कहा कि देश व प्रदेश में न केवल सनातन धर्म की रक्षा हो रही है, बल्कि ब्राह्मण समाज का सम्मान भी सुरक्षित है। जहां एक ओर भारत का खोया हुआ आध्यत्मिक-सांस्कृतिक गौरव एक बार पुनः प्राप्त रहा है वही अयोध्या, काशी व मथुरा की तर्ज पर रानीगंज क्षेत्र में भी माँ वाराही देवी धाम व शनिदेव धाम का सौंदर्यीकरण कार्य किया जा रहा है। इस दौरान मण्डल अध्यक्ष विजय कौशल, प्रशान्त श्रीवास्तव व बृजेश पटेल, प्रतिनिधि अजय ओझा व शिवम ओझा, जयेंद्र नाथ उपाध्याय, युवा मोर्चा के अश्वनी शुक्ल, गिरीश गोलू आदि लोग मौजूद रहे।

विधायक धीरज ओझा को आशीर्वचन देते आचार्य

दिव्यांगों से भेदभाव करना प्रकृति के नियमों का उल्लंघनः हरिओम

विश्व दिव्यांग दिवस पर दिव्यांगों को दिया गया सीपी चेयर व किट

दिव्यांगों को किट देते भाजपा जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा प्रयास राजकीय अक्षम विद्यालय भंगवा चुंगी में मनाया गया। इस अवसर पर दिव्यांग जनों को 10 सीपी चेयर और 40 एम आर किट वितरित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष हरि ओम मिश्रा ने कहा कि दिव्यांगजनों से भेद भाव करना प्रकृति के नियमों का उल्लघंन है। हमें उनके प्रति समान व्यवहार करते हुए उनके स्वावलंबी जीवन के लिए प्रेरित करना चाहिए। जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी राम प्रकाश सिंह ने कहा कि प्रति वर्ष विश्व दिव्यांग दिवस मनाने का उद्देश्य दिव्यांजनों को स्वावलंबी बनाने और सामाजिक रूप से उन्हें सशक्त करना है। इस मौके पर समाजसेवी रोशन लाल उमरवैश्य, भाजपा मीडिया प्रभारी राघवेंद्र शुक्ला, पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी, देवेन्द्र शुक्ला, अनिरुद्ध नारायण तिवारी, हर्ष, शंकर लाल, संजय, कमर हुसैन आदि लोग मौजूद रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रफुल्ल कुमार गुप्ता ने सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

डीएम ने हरी झण्डी दिखाकर चेतना रैली को किया रवाना

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। 3 दिसंबर 2021 को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग जन दिवस के अवसर पर जिला जिलाधिकारी प्रतापगढ़ डॉ नितिन बंसल ने हरी झंडी दिखाकर चेतना रैली को रवाना किया। तदुपरांत मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य विकास अधिकारी ने बच्चों को आशीर्वचन देते हुए कहा कि सफलता के लिए आत्मबल एवं आत्मविश्वास तथा इच्छा शक्ति से प्रत्येक दिव्यांग बच्चा सफलता हासिल कर सकता है। जिसमें सभी प्रकार की खेल प्रतियोगिता जैसे जलेबी दौड़, कुर्सी दौड़, साधारण दौड़, ब्रेल लेखन, छूकर पहचानो ,चित्रकला, मेहंदी, कबड्डी, खो खो, माला मेकिंग प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। जलेबी दौड़ में राधिका प्रथम ,अंतरा द्वितीय, खुशनूर तृतीय आई। इस अवसर पर समस्त खंड शिक्षा अधिकारी एवं समस्त विशेष शिक्षक उपस्थित रहे। व्यायाम शिक्षक रामकुमार सिंह ,व्यायाम शिक्षिका मंजू सिंह, स्काउट गाइड शिक्षक सुशील सिंह ने कार्यक्रम में सहयोग किया। जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शालिनी मिश्रा ने सभी के प्रति आभार प्रकट कर कार्यक्रम का समापन किया।

ताला ग्राम सभा में लगे कैम्प में सदस्य बनते लोग

सदस्यता शिविर लगाकर बनाया गया भाजपा का सदस्य

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भाजपा सदस्यता अभियान प्रभारी रवि गुप्ता द्वारा सदर विधानसभा के ताला ग्राम सभा में मेरा परिवार-भाजपा परिवार के तहत सदस्यता कैंप लगाया गया। भाजपा की सदस्यता लेने के लिए लोगों में भारी उत्साह दिखा।इस कैंप में बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं ने भाजपा की सदस्यता ली।

इस दौरान उपस्थित ग्राम वासियो को सम्बोधित करते हुए सदस्यता अभियान के प्रभारी व पूर्व भाजयुमो जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता ने कहा की इस अभियान को सर्वव्यापी एवं सर्वस्पर्शी बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कैम्प लगाकर सभी वर्ग के लोगों को भाजपा परिवार में जोड़ा जा रहा है। इस दौरान सदस्यता ग्रहण करने वाले कुछ ऐसे भी परिवार मिले जिन्हें योगी सरकार द्वारा चार से पांच योजनाओं का लाभ मिल चुका है। भारतीय जनता पार्टी आम जनमानस की सरकार है। सदस्यता अभियान में नए सदस्यों के साथ ही पुराने सदस्यों की सदस्यता का नवीनीकरण भी किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला सह-मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ सिंह रघुवर, मुन्ना पाल धनगर, कोहंडौर मंडल उपाध्यक्ष इंद्रजीत सिंह, रवि साहू, पवन गुप्ता, संदीप विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

खेलकूद प्रतियोगिता में अभय और लाजो रहे अव्वल

संविलियन विद्यालय जोगापुर में तीन दिवसीय खेल कूद प्रतियोगिता का आरंभ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पढ़ाई के साथ खेल भी जरूरी है। इससे शारीरिक और मानसिक विकास होता है। संविलियन स्कूल जोगापुर के नन्हें खिलाड़ियों ने इसी सोच को सार्थक करने का प्रयास किया है। नन्हें मुन्नों की फौज ने एक साथ मिलकर खेल की फील्ड तैयार की। जिस पर तीन दिन तक खेल प्रतियोगिता चलेगी।

गुरुवार को ट्रैक का विधिवत पूजन हुआ। स्कूल के गेम टीचर राजेश कुमार की देखरेख में स्कूल के बच्चों ने खेल के हुनर सीखे। पहले दिन के खेल में रेस और ऊंची कूद का आयोजन किया गया। जिसमें अभय और लाजो अव्वल रही। 50 और 100 मीटर बालिका सीनियर वर्ग में लाजो ने पहला स्थान प्राप्त किया। अंजू दूसरे स्थान पर आई। बालक वर्ग में अभय ने पहला स्थान प्राप्त किया। सर्वेश दूसरे स्थान पर आये। जूनियर बालक वर्ग में पीयूष पटेल प्रथम,अंश पटेल दूसरे नम्बर पर रहे। लांग जम्प में अभय पहले, सर्वेश दूसरे और शुभम तीसरे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में लाजो पहले और अंजू दूसरे स्थान पर आई। स्कूल की प्रभारी इंचार्ज किरण श्रीवास्तव और शिक्षिका लक्ष्मी पटेल ने तालियां बजाकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। बीबीएफजी के टीचर शनि सरोज ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया।

मिट्टी खोद रहे युवक की टीले में दबने से दर्दनाक मौत

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के मुरस्सापुर निवासी रियासत पुत्र लियाकत (40) वर्षीय गांव के पास शुक्रवार की सुबह मिट्टी के टीले की खुदाई कर रहा था कि अचानक मिट्टी का बड़ा ढेर रियासत के ऊपर गिर गया जिससे दबकर मौके पर मौत हो गयी।

घटना की खबर मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने मिट्टी के ढेर में दबे रियासत को किसी तरह बाहर निकाला जिसकी सांसे थम गई थी। मौके पर पहुचे परिजन लोग उपचार के लिए स्थानीय चिकित्सक के यहाँ ले गए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई। सूचना पर नवाबगंज पुलिस ने शव की लिखा पढ़ी करके पीएम के लिए भेजा। घटना को लेकर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मृतक रियासत के तीन लड़की व दो लड़के हैं बड़ी लड़की 16 साल की है। उधर प्रयागराज लखनऊ रेलवे ट्रैक पर शुक्रवार की सुबह कुंडा रेलवे क्रासिंग के पास मानिकपुर थाना क्षेत्र के देहगरी जमालपुर निवासी अमित निर्मल (18) वर्षीय ने ट्रेन के आगे छलांग लगाकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सभी घटना स्थल की ओर दौड़ पड़े। सूचना पर पहुँची जीआरपी पुलिस शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा घटना का कारण पता नही चल सका।

गंगा गोमती ट्रेन से कटकर किशोर की मौत

चोरी की वारदातों मे नकदी समेत लाखों के गहने उड़ाये, पुलिस को तहरीर

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। अज्ञात चोरों ने बीती गुरूवार की रात कमरे का ताला तोडकर घरेलू सामान व जेवरात आदि पर हाथ साफ कर दिया। कोतवाली के भेभौरा निवासी राधेश्याम अपनी पत्नी सुनीता के साथ दिल्ली मे कारोबारी के सिलसिले मे रह रहे है। सुनीता के पिता पूरे इच्छाराम निवासी छोटे लाल ने शुक्रवार को पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती गुरूवार की रात चोरों ने सुनीता के घर की कुंडी काट डाला। बदमाशो ने घर के अंदर भी कमरो मे ताला तोडकर चोरी की वारदात अंजाम दी। गांव के लोगों ने घटना की सूचना सुनीता को दी तो पिता छोटेलाल पहुंचे और घर के अंदर टूटे तालों का नजारा देख दंग रह गये। छोटेलाल ने पुलिस को सूचना देकर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाल का कहना है कि घटना की जांच कराई जा रही है, शीघ्र ही खुलासा किया जायेगा। इधर सांगीपुर थाना क्षेत्र के विजहडी, सिलौधी गांव निवासी श्रवण कुमार तिवारी तथा सुनील कुमार तिवारी ने भी शुक्रवार को पुलिस को तहरीर देकर अपने अपने घरो मे चोरी की वारदात की बात कही है। पीडित श्रवण कुमार व सुनील ने तहरीर मे कहा है कि वह बीती एक दिसंबर को भाई के बेटे की शादी मे शामिल होने जौनपुर के मुंगरा बादशाहपुर गये थे।

पीड़ित युवक ने लगाई जान माल की सुरक्षा की गुहार

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। दो दिन पहले समाजवादी पार्टी प्रतापगढ़ जिला उपाध्यक्ष द्वारा एक युवक को गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने के मामले में पीड़ित युवक ने पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है। बीते 28 नवंबर को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पट्टी विधानसभा क्षेत्र के रामकोला गांव आए थे जहां पर समाजवादी पार्टी के कुछ कार्यकताओं द्वारा अखिलेश यादव से न मिल पाने पर असंतोष जताया गया मामला सोशल मीडिया पर आया तो जमकर बहस बाजी हुई। दो दिन पहले सोशल मीडिया पर एक ऑडियो वायरल हुआ। आडियो में गाली गलौज करते हुए आसपुर देवसरा क्षेत्र के बनपुरवा गांव के अजय यादव को भद्दी भद्दी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दे रहे थे।

खबर संक्षेप

शोभई लाल की बेटी की शादी में दिया मदद

कौशांबी। चायल तहसील क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य मीनू साहू के पति योगेश साहू ने क्षेत्र के हुसैन मई गांव निवासी शोभईलाल पाल की बेटी आस्था पाल की शादी में सामान और नगद की मदद की है आस्था की शादी 3 दिसंबर को आयोजित है जिला पंचायत सदस्य के जनसुनवाई कार्यक्रम में गुरुवार को बेटी का पिता शोभई लाल पाल पहुंचा उसने गरीबी का हवाला देकर जिला पंचायत सदस्य से मदद मांगी जिस पर जिला पंचायत सदस्य के पति ने सामान और नगद देकर उसका हौसला बढ़ाया है।

अभियुक्त को सुनाई बीस वर्ष कारावास

कौशाम्बी। महेवाघाट थाना पुलिस बल द्वारा हत्या के अभियुक्त नीबूलाल पुत्र मिर्रा पासी निवासी फरीदनपुर थाना करारी को न्यायालय एडीजे नवम द्वारा शासन की प्राथमिकता के आधार पर गम्भीर एवं जघन्य अपराधों में पैरवी कर अभियुक्त को सजा दिलाने के क्रम में पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में प्रभावी पैरवी कराते हुए मॉनिटरिंग सेल के माध्यम से अदालत में पैरवी की है जिस पर अदालत ने आरोपी को दोषी मानते हुए बीस वर्ष की कारावास व साठ हजार रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया है।

उपमुख्यमंत्री ने रेल उपरिगामी सेतु की नामकरण शिलापट्टिका का किया अनावरण

पांच सेतुओं का निर्माण कार्य पूर्ण तथा पांच सेतु परियोजनायें निर्माणाधीन

अखंड भारत संदेश

शिला पट्टिका का अनावरण करते डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य

कार्यक्रम में जनसमूह को संबोधित करते डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य

कौशाम्बी। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज कानपुर रेल सेक्शन के किमी 879/1-3 पर सिराथू रेलवे स्टेशन के पहले समसा बाद चौराहे के पास नवनिर्मित रेल उपरिगामी सेतु की नामकरण शिलापट्टिका का अनावरण किया इस सेतु का नामकरण महाराजा बिजली पासी रेल उपरिगामी सेतु रखा गया है इसकी लम्बाई 801.425 मीटर एवं लागत रुपए 4024.33 लाख धनराशि है आयोजित कार्यक्रम के सम्बोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास की दृष्टि से चाहे सड़क हो या बिजली या आवास सहित अन्य जन कल्याण कारी योजनाओं से आमजन को लाभान्वित करने का लगातार प्रयास सरकार के गठन से ही किया जा रहा है उन्होंने कहा कि जनपद में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने का कार्य निरन्तर किया जा रहा है उन्होंने कहा कि इस रेल उपरिगामी सेतु के बनने से पूर्व फाटक बन्द होने पर आमजन को घण्टो इंतजार करना पड़ता था एवं जाम की विकट स्थिति हो जाती थी अब सेतु बन जाने से आमजन को आवागमन में सुगमता हो रही है। उन्होंने कहा कि आमजन से विचार विमर्श करके इस सेतु का नाम महाराजा बिजली पासी रेल उपरिगामी सेतु रखा गया है जिससे आने वाली पीढ़ी महापुरूषों से प्रेरणा ले सकें। उन्होंने कहा कि महाराजा बिजली पासी की जयंती आगामी 25 दिसम्बर को है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार रोही भरवारी में रेल उपरिगामी सेतु बनने से आमजन को आवागमन में सुगमता हो रही है तथा अथसराय सैयद सरावा एवं शुजातपुर में रेल उपरिगामी सेतु का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो गया है। बिदनपुर में रेल उपरिगामी सेतु बनाये जाने की घोषणा कर दी गयी है शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारम्भ हो जायेगा उन्होंने कहा कि सिराथू में सन्त मलूकदास के नाम से रेल उपरिगामी सेतु का लोकार्पण गत दिनों किया गया है उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के गठन के पश्चात जनपद में 05 सेतुओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है (01 नदी सेतु व 04 आरओबी) जिसकी लागत 165.97 करोड़ रुपए तथा 05 सेतुओं का निर्माण कार्य चल रहा है (02 नदी सेतु एवं 03 आरओबी) जिसकी लागत 277.65 करोड़ रुपए है। उन्होंने कहा कि तहसील मंझनपुर के ग्राम बढ़हरी में भरत नदी पर सेतु का निर्माण कार्य प्रस्तावित है। इसी प्रकार उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागरा कानपुर रेल सेक्शन के सम्पार संख्या-19बी सिराथू रेलवे यार्ड पर अण्डर पास का निर्माण कार्य उत्तर मध्य रेलवे के अन्तर्गत जनपद प्रयागराज कानपुर रेल खण्ड के कल्यानपुर बाजार वाया निधियावा से भदवा तक मार्ग पर रेलवे लाइन पार करने हेतु अण्डर पास का निर्माण कार्य उत्तर मध्य रेलवे के अन्तर्गत प्रयागराज कानपुर रेल खण्ड के कल्याणपुर से बिदनपुर तक मार्ग पर रेलवे लाइन पार करने हेतु अण्डर पास का निर्माण कार्य एवं उत्तर मध्य रेलवे के अनतर्गत प्रयागराज कानपुर रेल खण्ड के मूरतगंज मरधरा मार्ग पर रेलवे लाइन पार करने हेतु अण्डर पास का निर्माण कार्य प्रस्तावित है। इन प्रस्तावित निर्माण कार्यो का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारम्भ हो जायेगा उन्होंने कहा कि इन सभी परियोजनाओ के पूर्ण हो जाने से मॉ शीतला देवी के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को भी सुगमता होगी तथा श्रद्धालुओं की संख्या और अधिक बढेगी इस अवसर पर सांसद विनोद सोनकर अध्यक्ष जिला पंचायत कल्पना सोनकर विधायक शीतला प्रसाद उर्फ पप्पू पटेल संजय कुमार गुप्ता लाल बहादुर एवं भाजपा जिलाध्यक्ष अनीता त्रिपाठी सहित जिलाधिकारी सुजीत कुमार पुलिस अधीक्षक राधेश्याम विश्वकर्मा संयुक्त प्रबन्ध निदेशक सेतु निगम आरके सिंह व प्रोजेक्ट मैनेजर पीसी वर्मा सहायक अभियंता आरके तोमर सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

साल्वर गैंग का सदस्य हुआ गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एसटीएफ टीम लखनऊ व उपनिरीक्षक गौरव त्रिवेदी चौकी प्रभारी शहजादपुर थाना कोखराज मय हमराह पुलिस बल द्वारा सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम के वांछित अभियुक्त पण्डित जी उर्फ देवप्रकाश पाण्डेय पुत्र बैकुण्ठ नाथ पाण्डेय पता 328 नया पुरवा स्टेनली रोड प्रयागराज तथा मूल निवासी धन्नी पट्टी पोस्ट दिलीप नगर जनपद कुशीनगर को मुखबिर खास की सूचना पर ननभई मोड पहलवान ढाबा के पास से गिरफ्तार कर अभियुक्त की जामा तलाशी के दौरान दो अदद मोबाइल बरामद होने पर अभियुक्त को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायलय भेज दिया है।

चेकिंग के दौरान कार्यवाही

कौशाम्बी। जनपद में सरकार द्वारा निर्गत निदेर्शों के अनुपालन के क्रम में पुलिस अधीक्षक के निदेशानुसार जनपद स्तर पर विभिन्न थानों द्वारा मास्क न लगाने एवं सोशल डिस्टेसिंग का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया जिनमें 113 वाहनों का ई चालान किया गया।

चैन की नींद सो रही चौकी की पुलिस चोरों ने मचाया तांडव

अखंड भारत संदेश

बीती रात फिर तीन घरों से नगदी सोने चांदी के जेवर कपड़ा अनाज व बर्तन उठा ले गये चोर
पूर्व में भी हो चुकी है चोरी की कई घटनाए, पुलिस ने मुकदमा ना दर्ज कर आंकड़े बाजी का खेला खेल

चोरी के स्थान को दिखाता गृह स्वामी

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी बरियावां के अंतर्गत इन दिनों चोर गिरोह का आतंक है आए दिन गिरोह के सदस्य घटनाओं को अंजाम देकर गरीबों के घर से नगदी सोने चांदी के जेवर बर्तन कपड़ा अनाज आदि सामान उठा ले जाते हैं सूचना देने के बाद भी बरियावां पुलिस चौकी मुकदमा नहीं दर्ज कर रही है इतना ही नहीं चोरों की गिरफ्तारी कर चोरी गए सामानों की बरामदगी पुलिस नहीं कर रही है जिससे इलाके में भय और दहशत का माहौल व्याप्त है स्थानीय चौकी पुलिस गस्त नहीं कर रही है पूरी रात चौकी में पुलिस सोती है और स्थानीय चौकी पुलिस के जवान चैन की बंसी बजा रहे है बीती रात फिर चोर गिरोह के सदस्य बरियावा पुलिस चौकी के अंतर्गत 3 घरों से नगदी सोने चांदी के जेवर कपड़ा बर्तन अनाज आदि सामान उठा ले गए हैं खबर लिखे जाने तक बीती रात की घटनाओं का भी मुकदमा पूर्व की घटनाओं की तरह नहीं दर्ज हो सका है बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने में विफल स्थानीय चौकी पुलिस आला अधिकारियों को गुमराह कर झूठी सूचना देकर पुलिस वर्दी कलंकित कर रही है इस तरह के चौकी इंचार्ज पर कार्यवाही किए जाने की मांग स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस आला अधिकारियों से की है।

घटनाक्रम के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के बरियावां पुलिस चौकी अंतर्गत फत्ते का पुरवा गांव में बीती रात चोर गिरोह के सदस्यों ने पहले लक्ष्मी देवी पत्नी बद्री प्रसाद के घर को निशाना बनाया इनके घर में घुसे चोरों ने घर से दस हजार रुपए नकदी के अलावा सोने की अंगूठी चांदी के जेवरात अनाज बर्तन कपड़ा आदि सामान उठा ले गए हैं इसके बाद चोर गिरोह के सदस्य इसी पुलिस चौकी के अंतर्गत रामपुर गांव निवासी सिपाही लाल पुत्र सीताराम के घर पीछे की दीवाल में सेंध कर घुस गए हैं और घर से गेहूं सरसों अनाज के साथ-साथ कपड़ा बर्तन आदि समान उठा ले गए हैं गृह स्वामी बरामदे में सो रहा था उसे घटना की जानकारी सुबह हुई है दो सप्ताह पूर्व सिपाही लाल के घर एक बार और चोरी हो चुकी है उस बार 15 हजार रुपए नगद और घर में रखा लगभग 30 हजार रुपए कीमत के सोने चांदी के जेवर कपड़ा बर्तन आदि सामान चोर उठा ले गए थे इस मामले का भी मुकदमा पुलिस ने नहीं दर्ज किया है खुलासा करना और घटना के सामान को बरामद करना तो पुलिस के लिए दूर की बात है बार-बार चोरी होने से ग्रामीणों में भय और दहशत व्याप्त है।

बीती रात दो घरों में चोरी करने के बाद चोर गिरोह के सदस्यों ने इसी पुलिस चौकी अंतर्गत बरियावां ग्राम सभा में खुन्नू लाल पुत्र बांकेलाल पासी के घर को निशाना बनाया है घर में घुसे चोर खुन्नू लाल के घर से 10 हजार रुपए नकदी के अलावा सोने-चांदी के जेवरात अनाज कपड़ा बर्तन आदि सामान उठा ले गए हैं इस मामले का भी मुकदमा नहीं दर्ज हो सका है जिस तरह से चोर गिरोह के सदस्यों द्वारा घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से इनकार नहीं किया जा सकता इस गिरोह में आधा दर्जन से अधिक सदस्य शामिल होने की चर्चा ग्रामीण कर रहे हैं लेकिन पुलिस किसी भी घटना का खुलासा नहीं कर पा रही है इलाके में चोर गिरोह के सदस्य बेखौफ है पुलिस चैन की बंसी बजा रही है इलाके में संगठित अपराध जुआ की फड़ और कई गांव में शराब की भट्ठी बेखौफ तरीके से संचालित हो रही हैं ग्रामीणों ने पुलिस अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए लापरवाह चौकी पुलिस पर कार्यवाही की मांग करते हुए घटनाओं के खुलासे की मांग की है।

चोरी का हुआ प्रयास, बदमाशों में फायरिंग कर फैलाई दहशत

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बम्हरौली के मजरा बसावनपुर में बीती रात अज्ञात बदमाशों ने रोशन पुत्र रंपत सरोज के घर में चोरी के नियत से धावा बोल दिया युवक के जागने पर बदमाशों ने फायरिंग कर दहशत फैलाई है परिजनों के जाग जाने के बाद मौके से अपराधी फरार हो गए। फिलहाल खबर लिखे जाने तक घटना की जानकारी पुलिस को नहीं दी गई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज

पुलिस लाइन व पुलिस ऑफिस का आईजी जोन ने किया निरीक्षण

कौशाम्बी। पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज परिक्षेत्र प्रयागराज के द्वारा पुलिस लाइन व पुलिस ऑफिस का वार्षिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस लाइन में गार्द की सलामी ली गयी व परेड का निरीक्षण किया गया तथा गार्द रूम शरवागार वर्दी स्टोरन ड्यूटी कार्यालय जीडी कार्यालय बैरया मेस डायल 112 पुस्तकालय व यातायात आदि का निरीक्षण किया गया साथ ही परिसर का भ्रमण निरीक्षण कर साफ-सफाई का जायजा लिया गया व सम्बंधित को दस्तावेजों के रख-रखाव व परिसर की साफ सफाई हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये इसी क्रम में पुलिस ऑफिस में गार्द सलामी ली गयी व ऑफिस के विभिन्न शाखाओं प्रधान लिपिक, आईजीआरएस मीडिया सेल बाचक कार्यालय डीसीआरबी अपर पुलिस अधीक्षक कार्यालय सीसीटीएनएस विषेश जाँच प्रकोष्ठ साइबर सेल आकिक शाखा फिल्ड यूनिट महिला सहायता प्रकोष्ट शिकायत प्रकोष्ठ चुनाव सेल आदि का निरीक्षण किया गया व सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज द्वारा पत्रकारों के साथ गोष्ठी की गयी इस दौरान उनका परिचय प्राप्त कर उनकी समस्याओं को सुना गया व उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।

डीपीआरओ कार्यालय से करोड़ो के घोटाले की फाइल गायब

अखंड भारत संदेश

तत्कालीन जिला पंचायत राज अधिकारी पर घोटाले बाजों से धन उगाही का भी है आरोप
करोड़ों के घोटाले की गायब फाइल के मामले की जांच कराई गई तो विभाग के कई लोगों पर गिर सकती है गाज

कौशांबी। बीते पंचवर्षीय योजना में ग्राम पंचायतों में विकास के लिए भेजी गई करोड़ों की रकम में दो दर्जन ग्राम पंचायतों ने बड़ा घोटाला किया गया था मामले की शिकायत पर तत्कालीन जिलाधिकारी से ग्रामीणों ने कर घोटाले के आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की थी ग्रामीणों की शिकायत पर तत्कालीन जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायतों की जांच विभिन्न अधिकारियों से कराई थी जांच के दौरान ग्राम पंचायतों में सरकारी रकम से कराए गए विकास कार्यों में बड़ी धांधली उजागर हुई थी जिस पर जांच अधिकारियों ने ग्राम पंचायतों को दोषी मानते हुए सरकारी रकम वसूली करने की सिफारिश के साथ-साथ जिम्मेदारों पर मुकदमा दर्ज कराए जाने की संस्तुति की थी तत्कालीन जिला पंचायत राज अधिकारी के जमाने में करोड़ों के घोटाले के मामले की फाइल पर आरोपियों पर कार्रवाई करने में बार-बार हीला हवाली होती रही तत्कालीन जिला पंचायत राज अधिकारी पर घोटाले बाजों से धन उगाही का भी आरोप था घोटाले बाजों पर कार्यवाही का इंतजार ग्रामीण इंतजार कर रहे थे ग्रामीणों का कहना था कि जब घोटाले की पुष्टि जांच अधिकारियों ने कर दी है तो आरोपियों पर कार्यवाही भी होगी और सरकारी रकम की वसूली भी आरोपियों से कराई जाएगी लेकिन अचानक जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में संबंधित लिपिक को हटा दिया गया है संबंधित लिपिक के हटाए जाने के बाद घोटाले से जुड़ी फाइलें जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय से रहस्यमय तरीके से गायब हो गई है बताया जाता है कि ग्राम पंचायतों के विकास में 2 दर्जन से अधिक ग्राम पंचायतों में घोटाले की पुष्टि हुई थी अब इन फाइलों का विभाग में कहीं पता नहीं चल रहा है जिला पंचायत राज अधिकारी से लेकर विभाग का कोई भी लिपिक घोटाले की गायब पत्रावली पर जुबान खोलने को तैयार नहीं है सूत्रों की मानें तो ग्राम पंचायतों में विकास के नाम पर पहुंची करोड़ो की रकम में धांधली करने वाले आरोपियों से मोटी रकम वसूल कर संबंधित लिपिक ने घोटाले बाजों को फाइल सौंप दी है यदि जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय से करोड़ों के घोटाले की फाइल के मामले की जांच कराई गई तो कई विभाग के लोगों पर गाज गिर सकती है इस संबंध में मुख्य विकास अधिकारी से बात की गई तो उनका कहना है कि उनके कार्यकाल का यह मामला नहीं है जिससे उनके संज्ञान में नहीं है।

सिर पर कलश रखकर महिलाओं ने किया नगर भ्रमण

भागवत कथा आयोजन के पूर्व राम बारात के साथ कलश यात्रा में शामिल हुए सैकड़ों नर नारी

कलश यात्रा में शामिल नगरवासी

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशाम्बी। भरवारी कस्बे के नया बाजार सिंधिया मोहल्ले में भागवत कथा के आयोजन के पूर्व बैंड बाजे की भक्तिमय धुन पर भव्य कलश यात्रा व राम बारात का आयोजन किया गया है इस कलश यात्रा राम बारात में नगर की सैकड़ों नर नारी सिर पर कलश रखकर प्रभु का गुणगान करते नगर का भ्रमण किया है भागवत कथा का आयोजन नगर के व्यवसाई गुलाब चंद केसरवानी ऊनो वाले की पुत्री सीमा केसरवानी और उनके पति विनय कुमार केशरवानी द्वारा आयोजित किया गया है भागवत कथा वाचक विद्वान पंडितों द्वारा दस दिन तक प्रतिदिन भागवत कथा पर संगीतमयी प्रवचन किया जाएगा भागवत कथा पूर्ण होने के बाद बारह दिसम्बर को भगवान के भंडारे प्रसाद का आयोजन भागवत कथा आयोजक द्वारा किया जाएगा नगर भ्रमण के दौरान कलश यात्रा राम बारात कार्यक्रम में कार्यक्रम की आयोजक सीमा केसरवानी अपने पति विनय केसरवानी के साथ उपस्थित रही कलश यात्रा में सपत्नी गुलाब चंद केशरवानी सपत्नी रामलखन केशरवानी सपत्नी अजय केशरवानी सपत्नी पंकज कुमार केशरवानी बब्बू अग्रवाल सहित नगर के सैकड़ो नर नारी बूढ़े बच्चे जवान मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

डीएम ने बच्चों को प्रमाण पत्र देकर किया उत्साहवर्धन

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर डायट मैदान में आयोजित दिव्यांग बच्चों हेतु समेकित खेल कूद एंव सांस्कृतिक प्रतियोगिता में विजयी दिव्यांग बच्चों को प्रमाण पत्र देकर उत्साहवर्धन किया कार्यक्रम में दृष्टि दिव्यांगता के तहत धागा-मोती, छूकर पहचानों, 100 मीटर दौड़, कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी प्रकार मूक बधिर के तहत चित्रकला, चम्मच गोली रेस, थ्री लेग रेस, 100 मीटर दौड़ एवं शारीरिक दिव्यांगता के तहत 100 मीटर दौड़ (वैशाखी/ट्राई साइकिल), 50 मीटर दौड़ (कैलिपर/स्क्रॉलिंग), रस्साकसी व रंगोली तथा मानसिक दिव्यांगता के तहत फैंसी ड्रेस, जलेबी दौड़, कुर्सी दौड़ व 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी प्रखर उत्तम प्राचार्य डायट स्वराज भूषण त्रिपाठी जिला विद्यालय निरीक्षक जिला बेसिक शिक्षाधिकारी प्रकाश सिंह, जिला समन्वयक स्पेशल एजूकेटरी एवं फीजियो विकास पाण्डेय उपस्थित थे।

स्वास्थ्य संविदा कर्मियों ने की अनिश्चित कालीन हड़ताल की घोषणा

अखंड भारत संदेश

हड़ताल में शामिल संविदा स्वास्थ्य कर्मी

कौशांबी। स्वास्थ्य विभाग में संविदा कर्मी के पद पर तैनात एंबुलेंस चालक आशा बहू सहित तमाम संविदा कर्मियों ने अपनी 7 सूत्रीय मांगों को लेकर पूर्व में आंदोलन की धमकी दी थी लेकिन सरकार ने उनकी मांगों को अनसुनी कर दिया है जिससे स्वास्थ्य संविदा कर्मियों का आक्रोश बढ़ गया और अपनी विभिन्न मांगों को लेकर स्वास्थ्य संविदा कर्मियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर दी है स्वास्थ्य संविदा कर्मियों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन सभा कर जमकर नारेबाजी की है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के बाहर आंदोलन कर रहे स्वास्थ्य संविदा कर्मियों ने कहा कि उन्हें राज्य कर्मचारियों की तरह बेतन और अधिकार दिए जाएं उन्हें परमानेंट किया जाए वक्ताओं ने कहा कि सामान काम पर समान वेतन का नियम सरकार लागू करें उन्होंने कहा कि 10 नवंबर से लगातार अलग अलग तरीके से आंदोलन कर सरकार को ज्ञापन प्रेषित कर ध्यान आकृष्ट कराया जा रहा है लेकिन सरकार ने स्वास्थ्य संविदा कर्मियों की मांगों पर विचार नहीं किया है जिससे विवश होकर स्वास्थ्य संविदा कर्मियों को अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा करनी पड़ी है उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के बैनर तले संविदा कर्मियों ने हड़ताल की घोषणा कर दी है सभा के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य स्वास्थ्य मिशन संघ के जिला अध्यक्ष शिव प्रताप सिंह और जिला महामंत्री जितेंद्र सिंह परमार के साथ-साथ कोषाध्यक्ष एमएस माथुर डॉ विनोद चौधरी डॉक्टर इरशाद खान राहुल पांडेय संजय प्रदीप जे पी यादव वंदना सिंह सीमा देवी बीपीएम सहित सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे।

लंबे समय से जमे मठाधीश सिपाहियों का नहीं हुआ स्थानांतरण

अखंड भारत संदेश

पुलिस कार्यालय द्वारा दो दिन पहले 68 सिपाहियों का किया गया है स्थानांतरण

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक द्वारा 1 दिसंबर को 68 सिपाहियों के स्थानांतरण का निर्देश जारी किया गया है लेकिन पुलिस अधीक्षक द्वारा सिपाहियों के स्थानांतरण निर्देश जारी होने में लंबे समय से थाना और पुलिस चौकियों में जमे वसूली करने वाले मठाधीश सिपाहियों का स्थानांतरण नहीं हो सका है यह मठाधीश सिपाही कितने पावरफुल हैं इनकी कहां-कहां सेटिंग है यह बड़ी जांच का विषय है आखिर जब लंबे समय से जमे मठाधीश सिपाही महकमे को बदनाम कर वसूली में जुटे हैं ऐसे सिपाहियों की कई बार खबरों के माध्यम से अधिकारियों के संज्ञान में मामले लाए गए आम जनमानस ने भी इन सिपाहियों के कारनामों पर अधिकारियों को जानकारी दी लेकिन मठाधीश सिपाही हैं तो वह मठाधीश ही रहेंगे उन पर किसी की दाल नहीं कर सकती है यही इस बार भी 68 सिपाहियों के स्थानांतरण में हुआ है और प्रत्येक बार की तरह इस बार भी मठाधीश सिपाहियों का स्थानांतरण होने से रह गया है आखिर पुलिस कार्यालय का वह कौन सा व्यक्ति है जो इन मठाधीश सिपाहियों का शरणदाता बना हुआ है जिससे पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी किए गए स्थानांतरण लिस्ट में मठाधीश सिपाहियों का नाम शामिल होने से रह गया है जिले के विभिन्न थाना और पुलिस चौकियों में जमे तमाम मठाधीश सिपाहियों में पिपरी थाने के तीन मठाधीश सिपाहियों का उदाहरण पर्याप्त है लोधौर पुलिस चौकी में तैनात कुँवर सिंह इस थाने में 3 साल से अधिक समय से तैनात हैं कई बार सिपाहियों के स्थानांतरण की लिस्ट जारी हुई हैं लेकिन इनका नाम छूट जाता है इन की शिकायतें भी कई बार हो चुकी हैं बालू वाहनों से वसूली के लिए यह जाने जाते हैं इसी तरह दिनेश तिवारी चायल पुलिस चौकी में लम्बे समय से तैनात हैं इन पर लगातार वसूली में लिप्त होने का आरोप लग रहा है लेकिन लंबे समय से जमे इस सिपाही का भी स्थानांतरण लिस्ट में नाम नहीं है नवीन सिपाही पिपरी थाने में बीते 4 वर्षों से तैनात हैं और इन पर मठाधीशी का बार-बार आरोप लग रहा है इलाके में इन सिपाहियों का आतंक रे आम जनता इनसे त्रस्त है लेकिन फिर भी इनका स्थानांतरण में नाम बार-बार छूट जाता है थाना और पुलिस चौकियों में लंबे समय से जमे तीन सिपाही अकेले महकमे में नहीं है इस तरह के कई दर्जन सिपाही महकमे में है जिन्हें कारखास की संज्ञा भी दी जाती है और कारखास सिपाहियों का गुनाह हमेशा माफ होते रहें है।

अमृत महोत्सव : दीप प्रज्वलित कर विद्यार्थी परिषद ने मनाया कार्यक्रम

कौशाम्बी। आजादी के अमृत महोत्सव पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने भरवारी कस्बे में कस्तूरबा गांधी बालिका इण्टर कॉलेज में शिक्षिकाओं और छात्राओं के साथ आजादी के अमृत महोत्सव का जश्न मनाया है इस मौके पर आजादी के शहीदों को नमन करते हुए उन्हें याद किया गया है और रंगोली चित्र कला के माध्यम से आजादी के बारे में विस्तार से बताते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर आजादी के अमृत महोत्सव का जश्न मनाया है आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी प्रांत की कार्यकारिणी सदस्य जिला सह संयोजक रिचा पांडेय नगर विस्तारक दिव्यांशु शुक्ला भूपेंद्र सिंह शालिनी आस्था अराध्या राधा एवं कॉलेज इकाई शिक्षिका कल्पना देवी सहित तमाम अन्य शिक्षिकाएं छात्राओं ने आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम में सहभागिता निभाई है।

सम्पादकीय

फिर मंदिर की राजनीति पर उतरी भाजपा

उत्तरप्रदेश में अपनी हालत डांवाडोल होती देख भाजपा फिर से पुराने दांव-पेंचों पर उतर आई है। राम मंदिर के मुद्दे को अपनी राजनीति का आधार बनाकर भाजपा ने 2 सीटों से शुरू किए गए सफर को संसद में बहुमत के साथ खत्म किया। एक पारी के बाद दूसरी पारी भी भाजपा के ही हाथ लगी, क्योंकि 2014 से 2019 के बीच देश में सांप्रदायिकता, उग्रराष्ट्रवाद और नफरत की विषबेल पूरी तरह बढ़ चुकी थी। इस विषबेल के सहारे केंद्र के साथ-साथ कई राज्यों की सत्ता हासिल करने में भाजपा को कठिनाई नहीं हुई। 2017 में उत्तरप्रदेश की सत्ता भी भाजपा को मिल ही गई। इसमें राम मंदिर निर्माण का मुद्दा अहम तो था ही, इसके साथ ही श्मशान-कब्रिस्तान जैसे विभाजनकारी बयानों से भी भाजपा को मदद मिली। अब राम मंदिर का निर्माण शुरू हो चुका है, अयोध्या में साल दर साल दीए जलाने के रिकार्ड भी बना लिए गए और अब शायद भाजपा को यह नजर आ रहा है कि अयोध्या के दीए में अब उतना तेल नहीं रह गया, जिससे फिर से सत्ता की जोत जलाई जा सके। इसलिए अब नए सिरे से, नए मंदिरों का मुद्दा खड़ा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो उत्तराखंड से काशी-मथुरा का जिक्र कर ही दिया था। अब उत्तरप्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक ट्वीट में कहा, 'अयोध्या, काशी भव्य मंदिर निर्माण जारी है, मथुरा की तैयारी है। जय श्रीराम, जय शिवशम्भू, जय श्री राधेकृष्ण।' गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले ही हिंदू महासभा समेत कुछ हिंदुवादी संगठनों ने ऐलान किया था कि छह दिसंबर को शाही मस्जिद में जलाभिषेक किया जाएगा। इसके बाद जिले में धार्मिक माहौल गरमाने लगा था, तो प्रशासन अलर्ट हो गया था।

डीएम नवनीत चहल ने तत्काल जिले में धारा 144 लागू कर दी, जिससे कि माहौल न बिगड़े और उपद्रवियों पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। लेकिन, अखिल भारत हिंदू महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजश्री ने इस कार्यक्रम को स्थगित कर दिया है। उन्होंने बताया कि प्रशासन की ओर से उन्हें अनुमति न मिलने के कारण ऐसा किया गया है। हालांकि पुलिस प्रशासन अब भी चौकन्ना है और बुधवार को खुद एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर ने पैरामिलिट्री के जवानों के साथ फ्लैग मार्च करके लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। अगले दो-तीन दिनों तक करीब 2100 पुलिस और पैरा मिलिट्री फोर्स के जवानों के हाथ में शहर की सुरक्षा की कमान होगी। इन तैयारियों को देखकर यह आश्वस्ति तो मिल रही है कि माहौल किसी तरह खराब न हो, ऐसी कोशिश पुलिस-प्रशासन की है। लेकिन सत्ता में बैठे लोगों का रवैया यह संकेत दे रहा है कि समाज को भी अपनी ओर से सतर्कता बरतनी चाहिए। एक बार छह दिसंबर का हश्र देश अब तक भुगत रहा है। बाबरी मस्जिद को तोड़ने से केवल अयोध्या की नहीं पूरे देश की पहचान दांव पर लग गई थी। भाजपा को भले रथयात्रा का लाभ मिल गया, लेकिन देश को मंदिर-मस्जिद की राजनीति से नुकसान ही पहुंचा है, यह महंगाई, बेरोजगारी और खाली राजकोष को देखकर समझ जाना चाहिए। राम मंदिर चाहे दुनिया का सबसे खूबसूरत मंदिर बने या ब्रह्मांड की सबसे आकर्षक रचना हो, उससे आम जनता की बुनियादी समस्याएं नहीं सुलझेंगी। आम आदमी का जीवन बेहतर हो, इसके लिए तो सरकार को ही काम करना होगा। यह समझना कठिन नहीं है कि उप्र की भाजपा सरकार ने अपनी जिम्मेदारियों को पांच साल तक पूरा नहीं किया। बेरोजगारी, शिक्षा, विकास के जिन मुद्दों को लेकर भाजपा सत्ता में आई, उनका अब दूर-दूर तक जिक्र नहीं है। पिछली सरकारों के कामों का फीता भाजपा नेता काट रहे हैं या दूसरे राज्यों और देशों की सुहानी तस्वीरों को अपनी बताकर प्रचार कर रहे हैं। चुनाव की दस्तक पड़ते ही करोड़ों की परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास हो रहा है, लेकिन इस सवाल का जवाब भाजपा के पास नहीं है, कि पिछले पांच सालों में इन कामों की शुरूआत क्यों नहीं की, ताकि अब तक जनता को उनका लाभ मिलना शुरू हो जाता। विकास के सवाल पर चारों खाने चित्त भाजपा अब घूम फिर कर सांप्रदायिक एजेंडे पर उतर आई है। केशव प्रसाद मौर्य के ट्वीट को इसी संदर्भ में समझने की जरूरत है। हालांकि श्री मौर्य का कहना है कि भाजपा के लिए चुनाव के एजेंडे में कोई मंदिर का विषय मुद्दा नहीं रहा है, मंदिर आस्था का मुद्दा है चुनाव का नहीं। जो लोग राम मंदिर बनने का विरोध करते थे अब वही लोग राम मंदिर में माथा टेक रहे हैं। आगामी दिनों में यही दृश्य काशी और मथुरा में दिखेगा। मान लिया कि मंदिर भाजपा के लिए आस्था का ही मुद्दा है, चुनाव का नहीं, तो फिर चुनाव के वक्तक ही केशव प्रसाद मौर्य ने मथुरा का जिक्र क्यों किया। अगर मंदिर केवल आस्था का मुद्दा है, तो फिर अब तक भाजपा के घोषणापत्र में राम मंदिर निर्माण का मुद्दा क्यों जगह पाता था। अब भी अपनी चुनावी सभाओं में भाजपा नेता इस बात का श्रेय क्यों लेते हैं कि मोदीजी के राज में मंदिर निर्माण शुरू हुआ। आस्था तो कभी भी प्रदर्शन का विषय नहीं रही, फिर सरकारी खर्च पर राष्ट्रपति से लेकर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री सभी अपनी आस्था को जनता के बीच क्यों प्रदर्शित करते रहे। मंदिर जाकर चुपचाप पूजा कर लेते, दीए जला लेते और चुनावी सभाओं में केवल जनता के विकास से जुड़े मुद्दों पर बात करते। जाहिर है भाजपा एक बार फिर आस्था को राजनीति का विषय बनाकर चुनावों में उसका फायदा उठाना चाहती है, चाहे इसमें फिर से समाज में विभाजन की खाई और गहरी क्यों न हो जाए। अब यह जनता के विवेक पर ही निर्भर करता है कि अपने धर्म को राजनेताओं के हाथों वह इस्तेमाल होने देगी या फिर उसकी रक्षा करने में सफल होगी।

संविधान पर चल रहे विमर्श के निहितार्थ

डॉ राजू पाण्डेय

हमारे साथ स्वतंत्र हुए देशों में लोकतंत्र असफल एवं अल्पस्थायी सिद्ध हुआ और हमारे लोकतंत्र ने सात दशकों की सफल यात्रा पूरी कर ली है तो इस कामयाबी के पीछे हमारे संविधान के उदार एवं समावेशी स्वरूप की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। संविधान ने हमें सम्मानपूर्वक जीने का अधिकार दिया है जिसकी परिधि में भोजन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, स्वच्छ-स्वास्थ्यप्रद पर्यावरण और भ्रष्टाचार मुक्त परिवेश सभी समाहित हैं। इस अधिकार का विस्तार गैर नागरिकों तक भी है संविधान दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और संगोष्ठियों का एक उद्देश्य यह भी होता है कि संघ परिवार एवं उसके विचारकों की संविधान के प्रति असहमति को बहुत विद्वत्तापूर्ण तरीके से जायज ठहराया जाए। हम अब जानते हैं कि जिस तरह दक्षिणपंथी खेमा संविधान के निर्माण की प्रक्रिया का हिस्सा नहीं था उसी प्रकार वामपंथी खेमा भी इससे दूर था। ऐसा नहीं था कि संविधान सभा में केवल वे ही लोग थे जो स्वाधीनता आंदोलन से सीधे-सीधे सम्बद्ध थे। प्रारंभ में इसके 389 सदस्यों में से 93 शाही रियासतों का प्रतिनिधित्व करते थे। प्रान्तों हेतु निर्धारित 296 सदस्यों के लिए जुलाई 1946 में हुए चुनावों में कांग्रेस के 208 जबकि मुस्लिम लीग के 73 सदस्य निर्वाचित हुए। 15 सदस्य अन्य दलों के थे या स्वतंत्र थे। इस प्रकार अब हमें ज्ञात है कि अधिकांश सदस्य कांग्रेस से थे और जब बाद में मुस्लिम लीग ने 9 दिसंबर 1946 को हुई संविधान सभा की पहली बैठक का ही बहिष्कार कर दिया तब तो लगभग कांग्रेस के सदस्य ही शेष रह गए थे। पाकिस्तान के लिए अलग संविधान सभा के गठन के प्रस्ताव के बाद बहुत से सदस्यों की सदस्यता समाप्त हो गई। शेष 299 में से सात आदिवासी सदस्यों- जयपाल सिंह मुंडा, रूपनाथ ब्रह्मा, फूलभान शाह, देवेंद्रनाथ सामंत, जेजे एम निकोल्स रॉय, मायंग नोकचा एवं बोनीफास लकड़ा -ने पुरजोर ढंग से अपनी बात कही लेकिन इसका कोई विशेष असर संविधान पर दिखता हो ऐसा नहीं लगता।

अब हमें ज्ञात है कि संविधान सभा में महिला सदस्यों की संख्या 15 थी जो आनुपातिक दृष्टि से नगण्य थी। यद्यपि यह विदुषियां स्वाधीनता संग्राम की सक्रिय सहभागी थीं और स्त्रियों की दुर्दशा से भलीभांति अवगत एवं इसे स्वर देने में सक्षम थीं किंतु संविधान स्त्री विमर्श को ध्यान में रखता हो ऐसा नहीं लगता। इन सारे तथ्यों का प्रस्तुतिकरण कुछ इस प्रकार से किया जाता है कि संविधान कांग्रेस की सोच की पैदाइश है, जिसमें देश के अधिकांश राजनीतिक दलों और सामाजिक वर्गों का प्रतिनिधित्व नहीं था, तब संविधान को लेकर हमारी दुविधा और बढ़ जाए। आजकल हमें समझाया जाता है कि भारतीय परंपरा की संविधान में अवहेलना की गई और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं जिन्होंने देश की संपन्न लोकतांत्रिक विरासत को चर्चा में लाया जब उन्होंने भारत को लोकतंत्र का उद्गम स्थल बताया और संकल्प व्यक्त किया कि हम दुनिया को यह कहने पर विवश कर देंगे कि इंडिया इज द मदर ऑफ डेमोक्रेसी। (नए संसद भवन के 'वैदिक रीति' से भूमि पूजन के अवसर पर दिया गया भाषण)। इस वर्ष भी संविधान दिवस पर जब मोदी जी यह कहते हैं कि- हमारा संविधान सिर्फ अनेक धाराओं का संग्रह नहीं है, हमारा संविधान सहस्त्रों वर्ष की महान परंपरा, अखंड धारा उस धारा की आधुनिक अभिव्यक्ति है- तो वे संविधान की प्रेरणाओं और मूल तत्वों के स्वदेशी उद्गम की ओर संकेत करते हैं। क्या मोदी जी संविधान को ऐसी विशेषताओं से संयुक्त कर रहे हैं जो संविधान निमार्ताओं का अभीष्ट नहीं थीं। संविधान निमार्ताओं के प्रति आदर व्यक्त करते हुए इस संविधान का एक नया पाठ तैयार किया जा रहा है जो लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के शब्दों में संविधान को 'हमारे लिए पवित्र 'गीता' महाग्रंथ के आधुनिक संस्करण की तरह' बना देता है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अनुसार हर सांसद का यह दायित्व बनता है कि वे संसद रूपी लोकतंत्र के इस मंदिर में उसी श्रद्धा भाव से अपना आचरण करें, जैसा कि वे अपने पूजा स्थलों में करते हैं।

इस बात पर चर्चा होनी चाहिए कि आकर्षक एवं निर्दोष लगने वाली यह उपमाएं कहीं हमारे संविधान को धर्म सम्मत बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा तो नहीं हैं। अब हमें बार-बार स्मरण दिलाया जा रहा है कि 42 वें संविधान संशोधन के जरिए संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, पंथ निरपेक्ष और एकता तथा अखंडता शब्द जोड़े गए थे, यह मूल संविधान का हिस्सा नहीं थे। हमारे अवचेतन में यह प्रविष्ट करा दिया गया है कि हमारे संविधान का सेक्युलर स्वभाव थोपा हुआ है। एक पोस्ट इन दिनों बहुत वायरल हो रही है जिसके अनुसार बाबा साहब आंबेडकर इस संविधान को स्वयं जला देना चाहते थे। किंतु आम जनता से बहुत चतुराई से यह छिपा लिया जाता है कि यह बहुसंख्यक वर्चस्व की घातक वृत्ति ही थी जिसने हमारे संविधान की पवित्रता को खंडित किया था जिसके कारण बाबा साहब आहत थे। उन्होंने 2 सितंबर 1953 को राज्यसभा में कहा- 'छोटे समुदायों और छोटे लोगों को यह भय रहता है कि बहुसंख्यक उन्हें नुकसान पहुंचा सकते हैं और ब्रितानी संसद इस डर को दबा कर काम करती है। श्रीमान, मेरे मित्र मुझसे कहते हैं कि मैंने संविधान बनाया है। पर मैं यह कहने के लिए पूरी तरह तैयार हूं कि इसे जलाने वाला मैं पहला व्यक्ति होऊंगा। मुझे इसकी आवश्यकता नहीं। यह किसी के लिए अच्छा नहीं है। पर, फिर भी यदि हमारे लोग इसे लेकर आगे बढ़ना चाहें तो हमें याद रखना होगा कि एक तरफ बहुसंख्यक हैं और एक तरफ अल्पसंख्यक। और बहुसंख्यक यह नहीं कह सकते कि 'नहीं, नहीं, हम अल्पसंख्यकों को महत्व नहीं दे सकते क्योंकि इससे लोकतंत्र को हानि होगी।' मुझे कहना चाहिए कि अल्पसंख्यकों को नुकसान पहुंचाना सर्वाधिक हानिकारक होगा। भारतीय स्वाधीनता आंदोलन की अहिंसक धारा का नेतृत्व पढ़ा-लिखा मध्यम-उच्च मध्यम वर्गीय तबका कर रहा था। इसलिए यह स्वाभाविक ही था कि संविधान सभा में भी यही वर्ग बहुसंख्यक एवं नेतृत्वकारी होता। राजा-महाराजाओं की उपस्थिति और वर्चस्व एक अटल सत्य था, अतः उनके प्रतिनिधियों को संविधान सभा में जगह मिलनी ही थी। कांग्रेस उस समय एक दल नहीं एक आंदोलन था और स्वाभाविक था कि संविधान निर्माण की प्रक्रिया में उसकी मुख्य भूमिका होती। जटिल परिस्थितियां थीं- साम्प्रदायिक तनाव गहरा रहा था, भारतीय समाज में जाति प्रथा का जहर कम होने का नाम नहीं ले रहा था। ऐसे में आश्चर्य नहीं कि पश्चिम के उदार लोकतांत्रिक मूल्यों में कोई समाधान संविधान निमार्ताओं को नजर आया होगा। तत्कालीन परिस्थितियों में धर्म के पूर्ण नकार का साहस संविधान निमार्ता नहीं कर पाए, इसलिए सर्व धर्म समभाव पर उन्हें अटकना पड़ा। शायद उन्हें ऐसा लगा हो कि हमारा समाज धर्म के मामले में बहुत संवेदनशील है और हो सकता है कि वस्तुस्थिति भी यही रही हो। हमें यह भी बताया जा रहा है कि आंबेडकर अपनी मर्जी का संविधान नहीं बना पाए, उन पर प्रभावशाली सदस्यों का दबाव था। वस्तुस्थिति तो यह है कि संविधान सभा का कोई भी सदस्य निर्मित संविधान से शत प्रतिशत सहमत नहीं हो सकता था। सबकी अपनी प्राथमिकताएं थीं, आर्थिक-सामाजिक पृष्ठभूमि थी, अपना-अपना वर्ग चरित्र था, अपने-अपने हित थे। इसके बावजूद संविधान सभा के सदस्यों ने अपनी सीमाओं से यथा संभव ऊपर उठ कर एक सर्व समावेशी संविधान बनाया। संविधान दिवस पर सामाजिक कार्यकताओं, मानवाधिकार विशेषज्ञों और प्रगतिशील चिंतकों ने भी खूब लिखा। इन लेखों का सार संक्षेप यह था कि यह संविधान दलित, पिछड़े,आदिवासी और महिला- हर शोषित वर्ग की रक्षा करने में नाकाम रहा है। आजाद भारत में गरीबों के लिए कुछ नहीं बदला है। कुछ के अनुसार, देश में संविधान का शासन ही नहीं है। ब्यूरोक्रेसी के तेवर ब्रिटिश जमाने के हैं, पुलिस और न्यायपालिका का भी कमोबेश यही हाल है। संविधान आम आदमी के लिए अर्थहीन है। राजनेताओं से भी परिवर्तन की कोई उम्मीद करना बेकार है। संसद और विधानसभाओं में अपराधियों की संख्या बढ़ रही है। चुनाव पैसे का खेल बन गए हैं। भ्रष्टाचार चरम पर है। संसद में काम नहीं होता। अशोभनीय आचरण भर होता है। संविधान इतना लाचार है कि कोई उसका औपचारिक तौर पर भी सम्मान तक नहीं करता, क्रियान्वयन की बात तो दूर है।

कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि इन आलोचनाओं का उपयोग भी उन दक्षिणपंथी बुद्धिजीवियों द्वारा किया जाए जो कथित रूप से असफल और अभारतीय संविधान के स्थान पर एक धर्म परंपरा पर आधारित, सशक्त, स्पष्ट, बंधनकारी, दंडात्मक और कर्तव्य प्रधान संविधान बनाने की वकालत करते रहे हैं। इनके द्वारा यह रेखांकित जाता रहा है कि हमारा संविधान भविष्य की परिस्थितियों के आकलन में इतना नाकाम रहा कि 26 जनवरी 1950 से अब तक इसमें 101 बार संशोधन करने की जरूरत पड़ी है। जब हमारे साथ स्वतंत्र हुए देशों में लोकतंत्र असफल एवं अल्पस्थायी सिद्ध हुआ और हमारे लोकतंत्र ने सात दशकों की सफल यात्रा पूरी कर ली है तो इस कामयाबी के पीछे हमारे संविधान के उदार एवं समावेशी स्वरूप की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। संविधान ने हमें सम्मान पूर्वक जीने का अधिकार दिया है जिसकी परिधि में भोजन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, स्वच्छ-स्वास्थ्यप्रद पर्यावरण और भ्रष्टाचार मुक्त परिवेश सभी समाहित हैं। इस अधिकार का विस्तार गैर नागरिकों तक भी है। वैयक्तिक स्वतंत्रता का अधिकार दमनकारी कानूनों से हमारी रक्षा करता है। यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के व्यापक अर्थों को उजागर करें तो इसमें सूचना प्राप्त करने और स्वतंत्र मीडिया का अधिकार समाविष्ट होते हैं। समानता का अधिकार बहुसंख्यक समुदाय की आक्रामक गतिविधियों से अल्पसंख्यक समुदाय की रक्षा की भावना रखता है। जब जनमानस को आधे अधूरे तथ्यों और ढेर सारी कल्पना पर आधारित किसी वायरल पोस्ट पर मरने मारने की हद तक विश्वास करने हेतु प्रशिक्षित कर दिया गया है तब हमें यह ध्यान रखना होगा कि तथ्यों और तर्कों पर आधारित संविधान की हमारी समीक्षा के आलोचनात्मक हिस्से का उपयोग उग्र दक्षिणपंथी शक्तियों द्वारा संविधान को अनुपयोगी एवं त्याज्य सिद्ध करने हेतु अवश्य किया जाएगा।

वाजपेयी-युग के सार्वजनिक उपक्रमों की बिक्री की जांच

नन्तू बनर्जी

वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार, संसद में भारी जनादेश का आनंद ले रही है, मूल रूप से दो दर्जन से अधिक बड़े-टिकट वाले सार्वजनिक उपक्रमों और बैंकों को बेचने की योजना है। इनमें विशाल विजाग, दुगार्पुर और सलेम संयंत्र और नीलाचल इस्पात निगम, बड़े तेल शोधक भारत पेट्रोलियम, सबसे बड़ा समुद्री जहाज शिपिंग निगम और कंटेनर निगम सहित छह इस्पात संयंत्र शामिल हैं। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार की सबसे बड़ी आर्थिक उपलब्धि शायद देश के कुछ सबसे प्रसिद्ध राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों की बिक्री थी। वाजपेयी ने 73 महीने और 13 दिनों की कुल अवधि के लिए भारत के प्रधानमंत्री के रूप में तीन कार्यकालों की सेवा की, ज्यादातर 1998 और 2004 के बीच।

अपने शासन के अंतिम पांच वर्षों में, उन्होंने राज्य के स्वामित्व वाले 10 उद्यमों को बेचा। उस समय कुछ लोगों ने सरकार पर गंभीरता से सवाल उठाया था। अब, सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड में 26 प्रतिशत सरकारी हिस्सेदारी एनआरआई अनिल अग्रवाल-प्रवर्तित स्टरलाइट, जो यूके स्थित वेदांत की एक सहायक कंपनी है, को बेचने में कथित अनियमितताओं में पूर्ण सीबीआई जांच के लिए एक नियमित मामला दर्ज करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश कई सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में नरेंद्र मोदी सरकार के महत्वाकांक्षी निजीकरण कार्यक्रम के लिए खतरा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस तथ्य पर ध्यान दिया कि तत्कालीन सरकार ने इस विषय पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। उस समय, राज्य के स्वामित्व वाली अलौह धातु की दिग्गज कंपनी हिंदुस्तान जिंक का मूल्य 39,000 करोड़ रुपये था। कथित तौर पर, शेयरों का उचित मूल्य 1,000 रुपये प्रति शेयर से अधिक होता, हालांकि 32 रुपये 15 पैसे के आरक्षित मूल्य पर बोलियां आमंत्रित की गई थीं। ऐसा लगता है कि सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और बीवी नागरत्ना शामिल हैं, ने 18 संदिग्ध आधारों पर सीबीआई जांच का आदेश दिया है। 26 प्रतिशत सरकारी हिस्सेदारी की बिक्री में कई अनियमितताओं के सूचीबद्ध होने के बावजूद सीबीआई की प्रारंभिक जांच का एक दोषपूर्ण समापन है। हिंदुस्तान जिंक में सरकारी बिक्री से स्टरलाइट को बहुत कम समय में अतिरिक्त शेयर हासिल करने में मदद मिली, ताकि जिंक प्रमुख में नियंत्रण हिस्सेदारी हो सके। सरकारी हिस्सेदारी खरीदने के तुरंत उसने 2002 में बाजार से एक और 20 प्रतिशत का अधिग्रहण किया। अगले ही वर्ष, उसने उद्यम को अपने रूप में चलाने के लिए एक मजबूत बहुमत शेयरधारक बनने के लिए एक और 18.9 प्रतिशत खरीदा। 2006 की अपनी रिपोर्ट में, सीएजी ने संकेत दिया कि परिसंपत्ति मूल्यांकनकर्ता और वैश्विक सलाहकार ने संपत्ति का उचित मूल्यांकन नहीं किया। पीठ ने कहा, "पर्याप्त सामग्री है और सीबीआई को एक नियमित मामला दर्ज करने का निर्देश दिया जाता है और समय-समय पर इस अदालत को अपनी जांच के लिए स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करना है।" अपने अंतिम निष्कर्षों के आधार पर, सीबीआई जांच वाजपेयी युग के दौरान कुछ सबसे होनहार सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों, जैसे कि इंडियन पेट्रोकेमिकल्स, भारत एल्युमिनियम, जेसप एंड कंपनी में कथित रूप से कम मूल्यवान संपत्ति की बिक्री में इसी तरह की जांच की संभावना को खोल सकती है। उन इकाइयों की कमान के तहत अचल संपत्ति की संपत्ति अमूल्य थी। कुछ निजी खरीदारों ने कथित तौर पर अचल संपत्ति बेचकर बड़ी रकम अर्जित की।

अब देखना यह होगा कि दिल्ली सीमा पर किसानों के धरने के विरोध में इस महीने की शुरूआत में तीन कृषि बिलों को रद्द करने के लिए मजबूर होने के बाद पहले ही हार चुकी सरकार, सुप्रीम कोर्ट के नवीनतम आदेश और देश में बदलते राजनीतिक माहौल के संदर्भ में बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और बैंकों के निजीकरण के अपने विशाल कार्यक्रम को आगे बढ़ाती है। मोदी सरकार के पास वाजपेयी सरकार की तुलना में बहुत बड़ा निजीकरण रोड मैप है। हालांकि वाजपेयी शासन ने कम समय में लगभग एक दर्जन सार्वजनिक उपक्रमों और संयुक्त उद्यम मारुति उद्योग को बेच दिया, लेकिन वर्तमान सरकार पिछले सात वर्षों में टाटा के पक्ष में केवल एक -एयर इंडिया लिमिटेड - को बेचने में सफल हुई है। यह भी एक संकटपूर्ण बिक्री प्रतीत हुई। एयर इंडिया के लिए एकमात्र अन्य बोलीदाता स्पाइसजेट के अध्यक्ष अजय सिंह के नेतृत्व वाला एक संघ था। टाटा संस की 18,000 करोड़ रुपये की उद्यम मूल्य बोली, जिसमें केवल 2,700 करोड़ रुपये का नकद घटक था, प्रतिद्वंद्वी बोली लगाने वालों की तुलना में अधिक था। टाटा ने 140 से अधिक विमानों और विदेशी हवाई अड्डों पर 900 स्लॉट के साथ विशाल एयरलाइन का अधिग्रहण किया, जिसमें सबसे मूल्यवान लंदन का हीथ्रो भी शामिल है। वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार, संसद में भारी जनादेश का आनंद ले रही है, मूल रूप से दो दर्जन से अधिक बड़े-टिकट वाले सार्वजनिक उपक्रमों और बैंकों को बेचने की योजना है। इनमें विशाल विजाग, दुगार्पुर और सलेम संयंत्र और नीलाचल इस्पात निगम, बड़े तेल शोधक भारत पेट्रोलियम, सबसे बड़ा समुद्री जहाज शिपिंग निगम और कंटेनर निगम सहित छह इस्पात संयंत्र शामिल हैं। हालांकि, कुछ चुनिंदा कंपनियों के लिए वेदांत के एनआरआई अनिल अग्रवाल और आर्सेलर मित्तल के लक्ष्मी मित्तल को छोड़कर कुछ संभावित भारतीय खरीदार हैं। विजाग स्टील की प्रस्तावित बिक्री पहले ही कंपनी के कर्मचारियों और राज्य सरकार दोनों के निशाने पर आ गई है। राज्य के स्वामित्व वाले कुछ वाणिज्यिक बैंकों को बेचने के लिए एनडीए प्रशासन की बोली को अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ के कड़े विरोध का भी सामना करना पड़ रहा है। अधिकांश भारतीय व्यापारिक घराने अभी आर्थिक रूप से तंग स्थिति में हैं।

कोविड -19 महामारी ने 2020-21 के दौरान पूरी अर्थव्यवस्था को नकारात्मक विकास के दौर में पीछे धकेल दिया है। चालू वित्त वर्ष के दौरान व्यापार में सुधार रिकॉर्ड खुदरा डीजल और पेट्रोल की कीमतों से प्रभावित हुआ है, इस साल अक्टूबर में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित देश की मुद्रास्फीति को बढ़ाकर 12.54 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 1.31 प्रतिशत थी। यहां तक कि कुछ बड़े सार्वजनिक उपक्रमों की संकटपूर्ण बिक्री को भी वास्तविक भारतीय निवेशकों और व्यापारिक समूहों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिलने की संभावना नहीं है। कथित कम कीमत वाले हिंदुस्तान जिंक बिक्री मामले में सुप्रीम कोर्ट का आदेश, सरकार के सभी तीन नए कृषि कानूनों को अचानक निरस्त करने का अभूतपूर्व निर्णय और सात राज्यों में आगामी चुनाव, सरकार को प्रस्तावित पीएसयू बिक्री पर धीमी गति से चलने के लिए मजबूर कर सकते हैं। अगले साल होने वाले सात राज्यों में से छह में भाजपा का शासन है। ये राज्य हैं- पंजाब, उत्तर प्रदेश, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा। भाजपा का दांव स्वाभाविक रूप से ऊंचा है। कम से कम इनमें से दो राज्यों में बीजेपी के लिए चुनाव की संभावनाएं बहुत उज्ज्वल नहीं दिख रही हैं। 2022 में चुनाव के लिए एकमात्र अन्य राज्य पंजाब है, जो कांग्रेस द्वारा शासित है। इन परिस्थितियों में, मोदी सरकार के कुछ उच्च-मूल्य वाले राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों को एनआरआई या स्थानीय निजी बोलीदाताओं को सस्ते में बेचने की जल्दी में होने की संभावना नहीं है।

भारत का संविधान तो सर्वश्रेष्ठ है पर लोकतंत्र को श्रेष्ठ बनाने की दिशा में काम करना होगा

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

इतने बड़े राष्ट्र को यह संविधान सम्हाले हुए है, इसीलिए भारत में आज तक कोई फौजी या राजनीतिक तख्ता-पलट नहीं हुआ। जरा हम किसी भी दक्षिण एशिया के राष्ट्र का नाम बताएं, जहां इतने शांतिपूर्ण ढंग से सत्ता-परिवर्तन होता रहा हो। यह तथ्य है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है लेकिन क्या यह सत्य है कि वह सबसे अच्छा लोकतंत्र भी है वह सबसे बड़ा तो सिर्फ इसलिए है कि उसकी जनसंख्या किसी भी बड़े से बड़े लोकतंत्र से पांच गुनी या दस गुनी है। संख्या-बल हमारे लोकतंत्र को अनुपम तो बनाता ही है, उसकी विविधता भी उसे विलक्षण रूप प्रदान करती है। अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देश अपने-अपने लोकतंत्र को अतिविशिष्ट बता सकते हैं लेकिन क्या उनके यहां भारत के समान दर्जनों धर्म, संप्रदाय, भाषाएं, रीति-रिवाज और हजारों जातियां हैं क्या वे लोकतांत्रिक देश भारत की तरह सैंकड़ों वर्ष विदेशियों की गुलामी में कभी पिसते रहे हैं भारत की तरह सात-आठ दशक पहले आजाद हुए एशिया और अफ्रीका के राष्ट्रों से तुलना करें तो हमें मालूम पड़ेगा कि भारत एक बेजोड़ राष्ट्र है। जरा हम अपने पड़ौसी देशों पर पहले नजर डालें। लगभग सभी राष्ट्रों के संविधान बदल चुके हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार आदि देशों में कई-कई नए संविधान आ चुके हैं लेकिन भारत का मूल संविधान आज भी ज्यों का त्यों है। वह दुनिया का सबसे बड़ा संविधान है। उसे वैसा होना ही था, क्योंकि वह इतने विविधतामय राष्ट्र को सम्हालने के लिए बनाया गया था। वह ज्यों का त्यों है लेकिन वह इतना लचीला भी है कि उसमें लगभग सवा सौ संशोधन हो चुके हैं।

इतने बड़े राष्ट्र को यह संविधान सम्हाले हुए है, इसीलिए भारत में आज तक कोई फौजी या राजनीतिक तख्ता-पलट नहीं हुआ। जरा हम किसी भी दक्षिण एशिया के राष्ट्र का नाम बताएं, जहां इतने शांतिपूर्ण ढंग से सत्ता-परिवर्तन होता रहा हो। इंदिरा गांधी ने आपातकाल थोपने का दुस्साहस 1975 में जरूर किया था लेकिन अगले दो साल पूरे होने के पहले ही भारत की जनता ने उन्हें सूखे पत्ते की तरह फूंक मारकर उड़ा दिया। एक-दो राष्ट्रपतियों और सेनापतियों के बारे में ये अफवाहें जरूर सुनने में आई थीं कि वे कुछ दुस्साहस करना चाहते थे लेकिन भारतीय लोकभय ने लोकतंत्र की रक्षा की और वे अपनी मयार्दा में रहने को मजबूर हुए। भारतीय लोकतंत्र सामाजिक और धार्मिक विविधता को साधे रखने में तो सफल हुआ ही है, वह राजनीतिक विविधता का संतुलन बनाए रखने में भी कुशल सिद्ध हो रहा है। वह जमाना गया, जब केरल की कम्युनिस्ट सरकार को नेहरू काल में और इंदिरा व मोरारजी-काल में विरोधियों की प्रांतीय सरकारों को अकारण ही बर्खास्त कर दिया जाता था। अब केंद्र की कांग्रेस और भाजपा सरकार काफी मजबूत होते हुए भी राज्यों की विपक्षी सरकारों को बर्दाश्त करती रहती हैं। जहां तक मतदान से सत्ता-परिवर्तन का सवाल है, इस मुद्दे पर हारी हुई पार्टियां कुछ न कुछ गड़बड़ी का इल्जाम जरूर लगाती हैं लेकिन भारत की जनता न तो उससे प्रभावित होती है और न ही वे पार्टियां कभी अपने आरोपों को सिद्ध कर पाती हैं। इन सब खूबियों के बावजूद क्या हम अपने लोकतंत्र की वर्तमान दशा से संतुष्ट हो सकते हैं क्या हम उसे दुनिया का सर्वश्रेष्ठ लोकतंत्र कह सकते हैं फिलहाल तो नहीं कह सकते लेकिन हमारी जनता और नेता कोशिश करें तो सचमुच भारत दुनिया का सर्वश्रेष्ठ लोकतंत्र बन सकता है। इसके लिए जरूरी है कि हम हमारे लोकतंत्र की कमियों को खोजें और उनका निवारण करें। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी कमी तो यह है कि आजादी के बाद देश में एक भी सरकार ऐसी नहीं बनी कि जिसे भारतीय मतदाताओं का न्यूनतम स्पष्ट बहुमत भी मिला हो। जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की सरकारों को संसद में सीटें तो 400 तक भी मिलीं लेकिन उनसे पूछिए कि आपको कुल मतदान के कितने प्रतिशत वोट मिले आज तक किसी भी सरकार को 50 प्रतिशत तक वोट कभी नहीं मिले। नरेंद्र मोदी सरकार को स्पष्ट बहुमत जरूर मिला लेकिन वह सिर्फ सीटों का बहुमत था, वोटों का नहीं।

वोट तो उसे 2019 में सिर्फ 38 प्रतिशत ही मिले। 2014 में उसे सिर्फ 31 प्रतिशत वोट मिले थे। हमारी चुनाव-पद्धति में ऐसे मौलिक परिवर्तन की जरूरत है कि कम से कम 51 प्रतिशत वोटों के बिना कोई भी सरकार न बन सके। हमारे दर्जन भर से भी ज्यादा प्रधानमंत्री हो गए हैं लेकिन कितने प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें अपने निर्वाचन-क्षेत्र में 51 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले हैं पीवी नरसिंहराव और नरेंद्र मोदी के अलावा किसी भी प्रधानमंत्री को इस श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। नेहरू और इंदिरा गांधी को भी नहीं। यही हाल हमारी संसद का भी है। संसद के लगभग साढ़े पांच सौ सदस्यों में से 50 भी प्रायः ऐसे नहीं होते, जिन्हें अपने चुनाव-क्षेत्र में 51 प्रतिशत वोट मिले होते हैं। दूसरे शब्दों में हमारे नेता और सांसद ठोस बहुमत से ही चुने जाने चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान-दिवस पर ठीक ही कहा कि भारतीय लोकतंत्र को परिवारवाद ने लंगड़ा कर दिया है। हमारे देश में भाजपा और माकपा के अलावा सभी पार्टियाँ अब पार्टियाँ कहां रह गई हैं वे प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां बन गई हैं। कोई माँ-बेटा पार्टी है, कोई बाप-बेटा पार्टी है, कोई भाई-भतीजा पार्टी है तो कोई भाई-भाई पार्टी है। जो पार्टियाँ ऐसी नहीं हैं, क्या उनमें भी आंतरिक लोकतंत्र है क्या उनके मंत्रिमंडलों, पार्टी-मंचों और विधानसभाओं व लोकसभाओं में उनके सदस्य खुलकर अपनी बात रख पाते हैं उनके पदाधिकारियों की नियुक्तियां मुक्त चुनाव से होती हैं अपने लोकतंत्र को स्वस्थ बनाने के लिए इस कमी को दूर करना जरूरी है। भारतीय लोकतंत्र को भेड़तंत्र बनाने का सबसे ज्यादा दोष जातिवाद को है। सभी पार्टियाँ थोक वोट पटाने के लिए जातिवाद का सहारा लेती हैं। चुनावों से जातिवाद को खत्म करने का एक तरीका यह भी है कि किसी खास चुनाव क्षेत्र से किसी खास उम्मीदवार को खड़ा करने की बजाय पार्टियां अपने उम्मीदवारों की सामूहिक सूचियां जारी करें और चुनाव परिणाम आने के बाद जीते हुए उम्मीदवारों को अलग-अलग चुनाव क्षेत्र सौंप दें। इसके कारण मतदाता अपना वोट अपनी जाति के उम्मीदवार की बजाय उसकी पार्टी की विचारधारा और नीति को देंगे। जर्मनी में इसे सानुपातिक प्रतिनिधित्व व्यवस्था कहते हैं।

नस्लीय विवाद: अजीम रफीक के आरोपों के बाद यार्कशर के पूरे कोचिंग स्टाफ ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। क्रिकेट निदेशक मार्टिन मॉक्सन और मुख्य कोच एंड्रयू गेल सहित यार्कशर के पूरे कोचिंग स्टाफ ने अजीम रफीक के नस्लीय भेदभाव के आरोपों के बाद अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। मॉक्सन ने तनाव संबंधी बीमारी के कारण अपना पद छोड़ा है जबकि गेल 11 साल पहले किये गये एक ट्वीट की सुनवाई लंबित होने के कारण नौ नवंबर से निलंबित चल रहे हैं। यार्कशर ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा, ''हम पुष्टि कर सकते हैं कि क्रिकेट निदेशक मार्टिन मॉक्सन और सीनियर टीम के कोच एंड्रयू गेल सहित कोचिंग टीम के सभी सदस्यों ने आज क्लब छोड़ दिया है।' रफीक ने क्लब पर संस्थानिक नस्लवाद का आरोप लगाया था

नस्लवाद के मुद्दे से निपटने के तरीके के लिए काउंटी की चौतरफा आलोचना हुई थी और प्रायोजकों के अलावा उसने हैडिंग्ले में इंग्लैंड के इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी का अधिकार भी गंवा दिया।

इस कांड के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने रंगभेद से निपटने और क्रिकेट के सभी स्तरों पर समावेश और विविधता को बढ़ावा देने के लिए 12-सूत्रीय कार्य योजना की शुरूआत की है। अन्य संगठनों के साथ ईसीबी, मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी), प्रोफेशनल क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) और काउंटी क्लबों द्वारा संयुक्त रूप से विकसित इस न्यायसंगत, विविधता और समावेश (ईडीआई) कार्य योजना के तहत अन्य महत्वपूर्ण मामलों के साथ-साथ ड्रेसिंग रूम कल्चर और यहां सभी के लिए स्वागत योग्य वातावरण बनाने पर जोर दिया जाएगा।

मुंबई टेस्ट में 3 झन्नाटेदार चौकों से शुभमन ने किया जेमीसन का स्वागत

,नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जेमीसन का स्वागत मुंबई टेस्ट में शुभमन गिल ने एकदम खास अंदाज में किया। उनके पहले ही ओवर में शुभमन ने तीन चौके लगाकर टीम इंडिया को बढ़िया शुरूआत दी। मुंबई टेस्ट मैच के पहले दिन बारिश के बाद गीली आउटफील्ड होने के नाते टॉस में देरी हुई। करीब ढाई घंटे की देरी के बाद टॉस हुआ और भारत ने टॉस जीता। कप्तान विराट कोहली ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और मयंक अग्रवाल के साथ शुभमन गिल ने पारी का आगाज किया। टिम साउदी ने पहला ओवर मेडेन फेंका, लेकिन दूसरे ओवर में शुभमन गिल ने पहली ही गेंद पर अपने हाथ खोले और गेंद को बाउंड्री के पार पहुंचाया।

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट में 164 रनों से हराया, सीरीज पर 2-0 से किया कब्जा

नई दिल्ली। स्पिन गेंदबाजों रमेश मेंडिस (6/70, 5/66) और लसित एम्बुलदेनिया (2/94, 5/35) की घातक गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन शुक्रवार को वेस्ट इंडीज को 164 रन से हरा कर दो मैचों की सीरीज को 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। मैच के पांचवें और आखिरी दिन जीत के लिए 297 रन का पीछा करने उतरी मेहमान टीम वेस्टइंडीज 56.1 ओवर में 132 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका ने 164 रन से बड़ी जीत दर्ज करते हुए सीरीज 2-0 से अपने नाम की। उसकी इस जीत में ऑफ ब्रेक स्पिन गेंदबाज रमेश मेंडिस और लेफ्ट

आर्म स्पिनर लसित एम्बुलदेनिया की भूमिका सबसे अहम रही। रमेश और एम्बुलदेनिया ने दूसरी पारी में पांच-पांच विकेट लेकर वेस्ट इंडीज को 132 रन पर ऑलआउट किया और टीम को जीत दिलाई। रमेश ने इससे पहले पहली पारी में 70 रन पर छह और एम्बुलदेनिया ने 94 रन पर दो विकेट लिए। रमेश को पूरी सीरीज में 15 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

आकाश चोपड़ा ने बताया कौन सा खिलाड़ी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर में युजवेंद्र चहल को रिप्लेस कर सकता है

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय केटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 सीजन के मेगा ऑक्शन में स्टार लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को शायद ना खरीदे और इसके बजाय वह एक ऐसे स्पिनर पर बोली लगा सकती है, जिसके लिए वह जरूरत से ज्यादा पैसा खर्च कर सकती है। आरसीबी ने अपनी टीम में तीन खिलाड़ियों को रिटेन किया है लेकिन चहल को रिलीज कर दिया। ऐसे में उन्हें ऑक्शन में उनका विकल्प खोजना होगा। चोपड़ा का मानना है कि बैंगलोर ऑक्शन में मुंबई की टीम से रिलीज किए लेग स्पिनर राहुल चाहर को अपने साथ जोड़ने की पूरी कोशिश करेगी। चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर बताया कि एम चिनास्वामी स्टेडियम में गेंदबाजी के लिए एक टॉप लेग स्पिनर का होना कितना जरूरी है। चहल को मैदान पर गेंदबाजी करने में जबरदस्त सफलता मिली और आरसीबी को उम्मीद होगी कि उन्हें कोई ऐसा मिल जाए जो उनकी जगह ले सके। उन्होंने कहा, 'आरसीबी को राशिद खान नहीं मिलने वाले, वे इसे भूल सकते हैं। इसके बजाय वे राहुल चाहर, के लिए। लेग स्पिनरों के अलावा अन्य स्पिनर चिन्नास्वामी स्टेडियम में प्रभावशाली नहीं साबित होते हैं। वह हवा में काफी तेज गेंदबाजी भी करते हैं। रवि बिश्नोई भी एक विकल्प है, लेकिन मैं राहुल चाहर के बारे में सोच रहा हूं, वे उसके लिए जरूर अधिक पैसे खर्च करेंगे। ऑक्शन में चहल शायद आरसीबी में जगह ना बना पाएं।

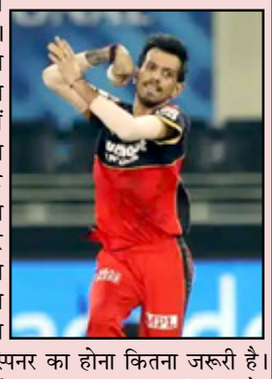

विराट कोहली को आउट देने पर भड़के परेश रावल, थर्ड अंपायर को जमकर कोसा

आउट होने के बाद बाउंड्री लाइन तक पहुंचते ही निकला विराट का गुस्सा, बैट जोर से दे मारा- श्रींङ्क

नई दिल्ली। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली आउट होने के बाद जब पवेलियन के लिए लौट रहे थे, तो बाउंड्री लाइन पर पहुंचते ही उनका गुस्सा देखने को मिला। विराट अंपायर के फैसले से बिल्कुल नाखुश दिखे और ड्रेसिंग रूम में पहुंचने से पहले बाउंड्री लाइन पर तेजी से अपना बल्ला दे मारा। इउउकळश ने वीडियो शेयर किया है, जिसमें विराट कोहली के आउट होने के फैसले से लेकर उनके ड्रेसिंग रूम में वापस पहुंच जाने तक का रिऐक्शन आप देख सकते हैं। एजाज पटेल की जिस गेंद पर उन्हें आउट दिया गया, उसको लेकर विवाद सा छिड़ गया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 इंटरनैशनल सीरीज और पहले टेस्ट मैच से विराट को आराम मिला था और टी20 वर्ल्ड कप के बाद विराट मैदान पर वापसी कर रहे थे। फैन्स को

उम्मीद थी कि विराट के बल्ले से एक शानदार पारी देखने को मिलेगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं और वह बिना खाता खोले आउट हो गए। एजाज ने विराट के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील की और ऑनफील्ड अंपायर अनिल चौधरी ने उनको आउट दे दिया। विराट इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि गेंद पैड पर लगने से पहले उनके बैट से लगी है। उन्होंने तुरंत डीआरएस लिया, थर्ड अंपायर ने रिप्ले देखने के बाद यह कहकर ऑनफील्ड अंपायर के फैसले को सही ठहराया कि इसका कोई निर्णायक सबूत नहीं है कि गेंद पहले बैट से लगी फिर पैड से लगी। विराट इसके बाद क्रीज छोड़कर जाना ही पड़ा। विराट इस मैच में बिना खाता खोले ही आउट हो गए।

एक बार फिर कोलकाता नाइट राइडर्स में रिटेन होने पर सुनील नरेन ने दिया बड़ा बयान, जानें कैरेबियाई स्पिनर ने क्या कुछ कहा

नई दिल्ली। साल 2012 और 2014 में कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल चैंपियन बनाने में अहम रोल अदा करने वाले स्पिनर सुनील नरेन ने कहा है कि यह फ्रेंचाइजी उनके लिए दूसरे घर की तरह है और वह केकेआर के अलावा और कोई दूसरी टीम में नहीं रहना चाहते। अक्सर मैदान पर शांत रहने वाले नरेन को कोलकाता नाइट राइडर्स ने हाल में आईपीएल 2022 मेगा ऑक्शन से पहले रिटेन किया है। अपने खिलाड़ियों को रिटेन करने के बाद केकेआर ने सोशल मीडिया पर 'द कमबैक किंग' के नाम से एक शॉर्ट फिल्म जारी किया। नरेन ने इसमें कहा है कि वह केकेआर को छोड़कर और कोई टीम से नहीं खेल सकते क्योंकि उन्होंने यहां अपना सारा क्रिकेट खेला है। नरेन ने कहा, 'केकेआर के अलावा और कोई जगह नहीं है, क्योंकि मैंने अपना सारा क्रिकेट यहीं खेला है। मुझे फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व करना जारी रखना अच्छा लगेगा। यह घर से दूर मेरा दूसरा घर है। इसलिए, मुझे उम्मीद है कि यह जारी रह सकता है।' 2020 में गेंदबाजी एक्शन को लेकर अपने खिलाफ कार्रवाई के बारे में नरेन ने कहा, 'यह कठिन था। अंत में क्रिकेट मेरे लिए कभी आसान नहीं रहा। मेरे पास जो कुछ भी है उसके लिए मुझे काम करना पड़ा है। यह कुछ ऐसा कदम था जहां मुझे गहरी खुदाई के बाद कड़ी मेहनत करनी थी और टॉप पर आना था। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल रिटेंशन में अपने कुछ दिग्गज खिलाड़ियों को रिलीज किया है। इनमें कप्तान इयोन मोर्गन, विकेटकीपर दिनेश कार्तिक और ओपनर शुभमन गिल जैसे नाम शामिल हैं।

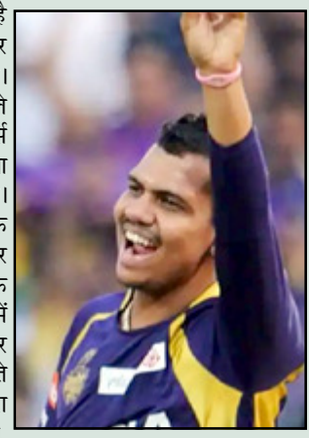

नगरपंचायत किशनी में चेयरमैन और सभासद आमने सामने

अंधेरनगरी चौपट राजा,सवासेर भांजी सवा सेर खाजा, सभासदों ने चेयरमैन पर लगाये भृष्टाचार के आरोप, सभी सभासदों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर घोटालों के जांच की मांग की

अखंड भारत संदेश

किशनी । अंधेरनगरी चौपट राजा,सवासेर भांजी सवासेर खाजा की कहावत नगरपंचायत किशनी में आम लोगों के मुंह से सुनी जा सकती है। नगरनिकाय के चुनावों में नगरपंचायत क्षेत्र के मतदाताओं ने जिसे अपना मसीहा समझ कर कुर्सी पर बिठाया था उसके सभासद ही जब भृष्टाचार,घोटाले का आरोप लगाकर उसके बिरोध पर उतर आएं तो मामला बेहद संगीन हो जाता है। किशनी के दसों सभासद अब पूरी तरह से चेयरमैन के बिरोध में आकर खडे होगये हैं तथा वह घोटालों तथा भृष्टाचार की जांच के लिये लगातार आबाज उठा रहे हैं।

गुरूवार को न0पं0 किशनी के सभी सभासद तहसील गये और एसडीएम जयप्रकाश से मिलकर उन्हें 24 शिकायतों का एक प्रार्थनापत्र सौंपा। सभासदों ने आरोप लगाया है कि चेयरमैन किशनी ईओ से मिलकर ने विकास के नाम पर भारी वित्तीय अनियमिततायें कीं हैं। शिकायत है कि चेयरमैन ने पहले से निर्मित सोहम आश्रम के चबूतरे का भुगतान करने के लिये निविदा सूचना दी।

गौशाला में चारा काटने की मशीन 12 हजार की है जबकि चेयरमैन ने 56 हजार रुपए निकाल लिये। हाईमास्ट पोल की कीमत बताकर सादा खम्बे लगबादिये। सौर ऊर्जा लाइट घोटाला कर घटिया किस्म की लाइटें लगबाई। न0पं0 की जमीन पर फर्जी तारकशी के नाम पर भुगतान निकाला गया। ठेके पर काम करने बाले 09 कर्मचारी तनख्वाह तो सरकार से लेते हैं पर काम चेयरमैन के घर में करते हैं। गौशाला में गायें भूख से मरतीं रहतीं है पर उनको चारा मुहैया नहीं कराया जाता है जबकि गौशाला के नाम पर फर्जी भुगतान किया जाता है। आरोप है कि जैम पोटर्ल के नाम पर खुली लूट की जा रही है। नगरपंचायत के सभासद कई बार उच्चाधिकारियों तक अपनी बात पहुंचा चुके हैं पर अभी तक किसी भी शिकायत की जांच तक नहीं की गई। सभासदों ने आरोप लगाया कि चेयरमैन का साला स्वयं खरीदफरोख्त में दखलंदाजी करता है। चेयरमैन अपने रिश्तेदारों को गौशाला में रखे हुये है। एसडीएम ने सभी सभासदों को जांच कर कार्यवाही का भरोसा दिया है।

मिला मौका: दृष्टि बाधित, अल्पदृष्टि और मंदबुद्धि ने भी लगाई दौड़

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। पूर्व माध्यमिक विद्यालय ककराही, गोपीगंज (औराई) के खेल मैदान पर शुक्रवार को दिव्यांगों ने भी अपनी विलक्षण प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यहां, दृष्टि बाधित, मंदबुद्धि और अल्प दृष्टि वाले दिव्यांग बच्चों ने भी दौड़ लगाई। शारीरिक रूप से अक्षम इन बच्चों को देख कहीं से भी ऐसा नहीं लगा कि इनमें प्रतिभा और इच्छा शक्ति की कमी है।

उक्त मैदान पर आज हुई विभिन्न श्रेणी की प्रतियोगिताओं में दिव्यांगों ने पूरे दमखम के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। इस प्रतियोगिता में ब्लाक स्तरीय (दिव्यांग) प्रतियोगिता के विजेताओं ने प्रतिभाग किया।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस के मौके पर पूर्व मा. विद्यालय ककराही, गोपीगंज (औराई) में हुई खेलकूद प्रतियोगिता में सबसे

पुरस्कृत बच्चों के साथ मुख्य व विशिष्ट अतिथि

पहले फरार्टा रेस का आयोजन किया गया। 50 मीटर दौड़ (प्राथमिक, बालक वर्ग) में नीतेश शुक्ल प्रथम, रोहित पाठक द्वितीय और शिवाकांत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि 50 उच्च प्राथमिक वर्ग में सूरज कुमार गौड़ ने प्रथम, शुभम सरोज ने द्वितीय और कृष्ण कुमार तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी तरह बालिका वर्ग में नीतू ने पहला, यशोदा यादव ने दूसरा और आकांक्षा विश्वकर्मा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में हुई जलेबी दौड़ में शुभम मौर्य प्रथम, कृष्णा दुबे द्वितीय और शहजाद तृतीय रहे।

खेल के मैदान पर मंदबुद्धि, अल्पदृष्टि बाधित और दृष्टि बाधित बच्चों ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। 50 मीटर दौड़ (मंदबुद्धि श्रेणी) में कुलदीप सिंह प्रथम, रवि द्वितीय और सुनील कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी तरह 50 मीटर दौड़ की अल्पदृष्टि श्रेणी में किशन कुमार ने प्रथम, शहजाद ने द्वितीय और नंचू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि दृष्टि बाधित (छड़ी दौड़) दौड़ में वीरेंद्र यादव ने पहला, आशीष कुमार ने दूसरा और छोटेलाल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके उपरांत बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान किशनी से तीन सौ बच्चों को मिलेगा रोजगार

किशनी। आईटीआई स्कूल किषनी से करीब तीन सौ बच्चे अब दो अलग अलग कम्पनियों में काम कर रोजगार पा सकेंगे। इसके लिये बच्चों को कहीं जाकर नौकरी तलाश नहीं करनी है वल्कि कम्पनी के प्रतिनिधि स्वयं ही स्कूल आकर उनका साक्षातकार करेगें।

आईटीआई पास कर चुके बच्चों की किस्मत अब चमकने बाली है। प्रशिक्षत बेरोजगार बच्चों को अब कम्पनी स्वयं लेकर जायेंगीं और रोजगार मुहैया करायेंगीं। स्कूल प्रबन्धन ने बताया कि बच्चों की आयु सीमा 18 से 28 वर्ष हो,तकनीकी योग्यता किसी भी ट्रेड में 10वीं तथा वारहवीं होनी चाहिये। बतादें कि अभ्यर्थी अपना बायोडाटाएआधार कलकार्ड,समस्त मूल एवं छायाप्रति,शैक्षिक प्रमाणपत्र,चार फोटो लेकर अनुदेशक सौरभ तथा ललित जैन प्रभारी कार्यदेशक से संपर्क करलें।

सपा के गढ़ में गरजे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह

अखंड भारत संदेश

मैनपुरी। सपा के गढ मे गरजे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मैनपुरी किसनी विधान सभा 109 प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह का जन सभा मे जोरदार स्वागत ओर सम्बोधित करते समय बोले कि हमारी लड़ाई सिर्फ गरीबी ओर गुन्डे माफियो की अमीरी से है बल्कि न किसी पार्टी से चाहे वो समाज वादी पार्टी हो या बहुजन समाज पार्टी हो या फिर कोई अन्य दल ओर अब न हिन्दू मुस्लिम से लडेगा ओर न ही मुस्लिम हिन्दू से ओर प्रदेश अध्यक्ष ने मोदी ओर योगी की भरपूर योजनाए गिनाई। ।वार्ता के दौरान बोले कि मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन के लिए 400करोड रुपए दिये ।बयान देते हुए बोले कि 2017 मे हमरी जिन 81सीटो पर हुई हम पार्टी निदेर्शानुसार उन सभी सीटो पहुंच रहे ताकि भारी बहुमत से उन सारी सीटो पर जीत मिल सके ।ओर बयान मे मथुरा मन्दिर निर्माण पर उप मुख्यमन्त्री केशव मौर्य के ट्वीट किये सवाल पर बचते दिखाई दिए प्रदेश अध्यक्ष

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को लपेटे मे लेते हुए बोले कि जिस रास्ते पर अखिलेश यादव जा रहे हे जिन्ना को उभार रहे हे ओर प्रदेश मे फिर से दंगा राज करवाना चाह रहे हे पिछले साढे चार साल से हिन्दू ओर मुस्लिम के बीच की सारी हो गई दोनो आपस बडे शान्तिपूर्वक रहे हे सरदार पटेल की जिन्ना से तुलना करते हुए कहा कि यह देश को लेकर घातक हे ओर स्वतन्त्रता सेनानियो के लिए भी घातक हे । इसी बीच आबकारी मन्त्री रामनरेश अग्निहोत्री, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप चौहान ,पूर्व विधायक आशोक चौहान, करहल चेयरमैन संजीव यादव, प्रियरंजन आशू दिवाकर ,बलबीर धनगर, भूपेंद्र यादव, एव भारी सख्या मे जन सेलाव आदि लोग मौजूद रहे।

प्रदेशाध्यक्ष ने कार्यशाला मे कार्यकताओं के कसे पेच

अखंड भारत संदेश

किशनी। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने विशाल जनसभा के बाद कार्यकर्ताओ के बीच संवाद स्थापित किया।

उन्होंने जिला कार्ययोजना सदस्य व पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें पार्टी द्वारा चलाये जा रहे सदस्यता अभियान मे सौ सदस्य बनाने व विधानसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग द्वारा चलाये जा रहे वोट घटाने व बढ़ाने को लेकर उदासीन रवैये को लेकर नाराजगी जाहिर की साथ ही कार्यकताओं को निर्देश दिया की प्रत्येक कार्यकरता हर बूथ पर सौ लोगो के वोटो को सत्यापित करने व नये वोटो को बढ़ाने के कार्य को कराने के लिए जुटें। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष द्वारा विधानसभा में बाजारों कस्बा व तहसील की भी जानकारी ली गई और पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कार्यकर्ता लोगों से मिलकर सरकार द्वारा चलाई जा रही लाभकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें किशनी विधानसभा में इस बार सभी मिलकर पार्टी द्वारा उतारे गए प्रत्याशी को जिताने का प्रयास करें। इस मौके पर भूपेंद्र यादव, रमेश गुप्ता,रमाकांत मिश्रा, शिव कुमार गुप्ता, जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा अनिल राजपूत, पियूष गुप्ता, संदीप कुमार, कृष्णा चौहान, ऋषभ कौशल, सीमा चौहान, गौतम चौहान,ओम जी दुबे आदि लोग मौजूद थे।

भृष्टाचार की पराकाष्ठा है नगरपंचायत

किशनी में बिना प्रस्ताव के ही टेंडर निकाल दिये जाते हैं : सभासद

अखंड भारत संदेश

किशनी। वर्तमान चेयरमैन ने अपने कार्यकाल में कोई विकास कार्य नहीं किया पर पैसे कमाने की हवस इतनी कि स्वयं तो कोई काम किया नहीं पर पूर्व चेयरमैन द्वारा कराये कार्य के पैसे निकाले जा रहे है। उक्त आरोप सभासदों ने लगाये है।

सभासदों ने बताया कि गांव वटपरू में पूर्व चेयरमैन ने करीब एक करोढ छह लाख की कीमत से एक वारातघर बनबाया था। जो अभी भी अधूरा बना खडा है। आरोप है कि वारातघर की जमीन कच्ची है। प्लास्टर भी नहीं हुआ है। येसे में चेयरमैन अधूरे वारातघर की पुताई कराने के नाम पर सरकारी खजाने को चूना लगा रहे हैं। सभासदों के अनुसार चेयरमैन ने बिना प्रस्ताव के ही पुताई के लिये आठ लाख पचास हजार का टेंडर लगा दिया। जबकि वारातघर का टेंडर पूर्व में ही स्वीकृत हैं। सभासदों का कहना है कि अब प्रशासन को चाहिये कि उक्त प्रकरण की गहनता से जांच करें। चेयरमैन की तरह सभासदों को भी किशनी की महान जनता ने ही चुनकर भेजा है उनकी शिकायतों पर डीएम को भी संज्ञान लेना चाहिये। अन्यथा की स्थिति में आने बाले समय में चेयरमैन इसीप्रकार भृष्टाचार करते रहेंगे और मासूम जनता को मूर्ख बनाकर उनका खून चूसते रहेंगे।

सोमवार से धरने पर बैठेंगे भा0कि0यू0 किसान के पदाधिकारी - शीलेश दुबे

अखंड भारत संदेश

किशनी। किसानों की मांगें पूरी न होने तथा उनकी उपेक्षा को लेकर भारतीय किसान यूनियन किसान के पदाधिकारीगण सोमवार से तहसील किशनी में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे। डीएपी,यूरिया की कमी तथा कालाबाजारी,माइनरों की सिल्ट सफाई न होना,धान की खरीद में बिचौलियों की अहम भूमिका तथा वीडियो द्वारा ज्ञापन पर संज्ञान ने लेने के बिरोध में भारतीय किसान यूनियन किसान के पदाधिकारीगण तहसील परिसर में धरने पर बैठेंगे। यह सूचना यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव शीलेश दुबे तथा जिलाध्यक्ष अनुरूद्ध दुबे ने संयुक्त रूप से दी है।

प्रदूषण पर योगी सरकार की दलील सुनकर सीजेआई बोले- तो आप पाकिस्तान में बंद कराना चाहते हैं उद्योग

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में लगातार सुनवाई जारी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने आज सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उद्योगों के बंद होने से राज्य में गन्ना और दूध उद्योग प्रभावित हो सकते हैं। सरकार ने कहा कि हवा के दबाव को देखें तो यूपी नीचे है। यहां हवा ज्यादातर पाकिस्तान से आ रही है। यूपी सरकार की इस दलील पर मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने चुटकी लेते हुए कहा तो आप पाकिस्तान में उद्योगों पर प्रतिबंध लगाना चाहते हैं। वहीं, प्रदूषण मामले में केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पांच सदस्यों की इंफोर्समेंट टास्क फोर्स गठित की गई है। वहीं, दिल्ली में जारी वायु प्रदूषण पर सुनवाई के दौरान आज रउ ने कहा कि हमने देखा है कि मीडिया के कुछ वर्ग यह दिखाने की कोशिश करते हैं कि हम खलनायक हैं। हम स्कूलों को बंद करना चाहते हैं। आपने (दिल्ली सरकार) कहा था कि हम स्कूल बंद कर रहे हैं और वर्क फ्रॉम होम शुरू कर रहे हैं, लेकिन आज का अखबार देखें।

राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता शुक्रवार की सुबह 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गयी और न्यूनतम तापमान मौसम के औसत तापमान से तीन डिग्री अधिक 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शुक्रवार को सुबह नौ बजे 358 रहा। पड़ोसी एनसीआर शहरों फरीदाबाद (289) और ग्रेटर नोएडा (250) में वायु गुणवत्ता शुक्रवार को सुबह 'खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया।

गाजियाबाद में (331), गुरुग्राम में (309) और नोएडा (315) में एक्यूआई 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा। दिल्ली में बृहस्पतिवार को 24 घंटे का एक्यूआई 429 रहा। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा माना जाता है, 51 से 100 के बीच एक्यूआई संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब, और 401 से 500 के बीच एक्यूआई को गंभीर श्रेणी में माना जाता है।

सरकार हमसे ले किसानों की मौत का आंकड़ा, मदद नहीं करनी तो माफी कैसी : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने किसान आंदोलन के दौरान मरने वाले लोगों की जानकारी न होने के सरकार के बयान पर हमला बोला है। संसद में सरकार की ओर से दिए गए जवाब को लेकर राहुल गांधी ने कहा कि यदि सरकार चाहे तो हमसे लिस्ट ले सकती है। हमारे पास सूची है कि किन किसानों की मौत हुई है। सरकार हमसे सूची ले और उन्हें मदद मुहैया कराए। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार का कहना है कि हमारे कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। हमारे पास 503 किसानों का आंकड़ा है। सरकार चाहे तो हमसे लिस्ट ले सकती है। पंजाब सरकार ने 403 किसानों के परिवानों को मुआवाजा दिया है। इसके अलावा 152 किसानों के परिजनों को पंजाब सरकार ने नौकरी दे दी है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने यदि माफी मांगी है तो फिर किससे माफी मांगी है। एक तरफ वह कहते हैं कि हम माफी मांगते हैं और दूसरी तरफ कहते हैं कि हमें नहीं पता है कि किसकी मौत हुई है। राहुल गांधी ने आंदोलन के दौरान मरे कुछ किसानों के नाम भी पढ़े और कहा कि सरकार हमसे पूरी लिस्ट ले ले। उन्होंने कहा कि यह सरकार पूरी तरह से असंवेदनशील है। इनके पास तो कोरोना की मौत के आंकड़े भी नहीं थे।राहुल गांधी ने कहा कि एक साल लंबे चले आंदोलन में मरने वाले किसानों के परिजनों को सरकार की ओर से मदद मिलनी चाहिए। गलत कानूनों को लागू करने की वजह से ही इन 700 किसानों की मौत हुई है। खुद पीएम ने जब माफी मांग ली है तो फिर यह एक तरह से गलती मांगने जैसा है और उस गलती के लिए सरकार को मुआवजा देना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि जब पूंजीपति दोस्तों की बात होती है तो फिर सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं होती। लेकिन जब गरीब या किसान की मदद करने की बात आती है तो फिर पैसों की कमी की बात की जाती है।

ऑक्सीजन की कमी से सिर्फ पंजाब में हुई थी 4 लोगों की मौत, लोकसभा में बोले स्वास्थ्य मंत्री

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान देश भर के अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी दर्ज की गई थी और बड़ी संख्या में मौतों की भी खबरें आई थीं। हालांकि लोकसभा में इससे जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए हेल्थ मिनिस्टर मनसुख मांडविया ने कहा कि सिर्फ पंजाब में ही ऑक्सीजन की कमी से 4 मौतें दर्ज की गई हैं। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा, 'हमने सभी राज्यों को डेटा मांगने के लिए लिखा था। इसका 19 राज्यों की ओर से जवाब मिला था। इनमें से सिर्फ पंजाब ने ऑक्सजीन की कमी से मौतों की बात कही थी।' हेल्थ मिनिस्टर के इस बयान को लेकर आने वाले दिनों में विपक्ष हमलावर हो सकता है। इस बीच शुक्रवार को भी राज्यसभा और लोकसभा में हंगामा जारी रहा। लोकसभा में प्रश्न काल के दौरान प्रदर्शन कर रहे विपक्षी सांसदों को लोकसभा स्पीकर ने फटकार भी लगाई। महिला सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा के दौरान विपक्षी सांसद पोस्टर लेकर नारेबाजी कर रहे थे।

समलैंगिक विवाह रजिस्ट्रेशन के खिलाफ एचसी में याचिका, हिंदू मैरिज एक्ट के तहत अनुमति नहीं देने की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट के समक्ष शुक्रवार को दायर एक याचिका में अनुरोध किया गया है कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत समलैंगिक विवाह की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि हिंदू धर्म में अनंत काल से केवल एक पुरुष और महिला के बीच विवाह बंधन की अनुमति है। इस याचिका में तर्क दिया गया है कि प्रथागत कानून में समलैंगिक विवाह को शामिल करने जैसे बदलाव उन विवाहों में बहुत आसान, सुविधाजनक और व्यावहारिक होते हैं जो जीवनसाथियों के बीच एक प्रकार के अनुबंध होते हैं, क्योंकि उनका धर्म से खास संबंध नहीं होता और उनकी प्रकृति अधिक सामान्य होती है। इसमें कहा गया है कि हिंदुओं जैसे समाजों में वैवाहिक बंधन उनके धर्म का हिस्सा होते हैं, जो धार्मिक ग्रंथों के साथ-साथ उनकी दैवीय संस्थाओं से उत्पन्न होते हैं एवं उनसे संबंधित होते हैं और इसीलिए उनके अहम भावनात्मक मूल्य होते हैं। चीफ जस्टिस डी.एन. पटेल और जस्टिस ज्योति सिंह की बेंच ने 'सेवा न्याय उत्थान फाउंडेशन' की इस याचिका को आगे की सुनवाई के लिए तीन फरवरी के लिए सूचीबद्ध किया, जिसमें समलैंगिक विवाहों की

मान्यता संबंधी मुख्य याचिका में पक्षकार बनाए जाने और उसका पक्ष भी सुनने का अनुरोध किया गया है। तीन फरवरी को इस संबंधी याचिकाओं के समूह पर सुनवाई की जाएगी।

संजीव नेवाड़ और स्वाति गोयल शर्मा के जरिए दायर याचिका में कहा गया है कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत समलैंगिक विवाह की स्वीकृति दिए जाने की याचिका न केवल हिंदू विवाह की धार्मिक प्रणाली के खिलाफ है, बल्कि यह अकारण अचानक बदलाव लाए जाने का कृत्य है और यह परिवर्तन उस हिंदू समाज की विरासत एवं धार्मिक पारिस्थितिकी तंत्र जैसे अन्य पहलुओं को प्रभावित करेगा, जो धार्मिक विवाह के संस्कार पर अत्यंत निर्भर हैं। याचिका में संगठन ने कहा कि ऐसे विवाहों को या तो विशेष विवाह अधिनियम जैसे धर्मनिरपेक्ष कानून के तहत पंजीकृत किया जाना चाहिए या मुस्लिम विवाह कानून और सिख आनंद विवाह अधिनियम जैसे सभी धार्मिक कानूनों के तहत इसकी अनुमति दी जानी चाहिए और इसे धार्मिक आधार पर तटस्थ बनाया जाना चाहिए।

इस संगठन के लिए वकील शशांक शेखर झा द्वारा दाखिल इस अर्जी में कहा गया है कि वेदों के अनुसार, विवाह केवल एक पुरुष और एक महिला के बीच होता है, ताकि वे अपने सांसारिक एवं धार्मिक कर्तव्यों का निर्वहन करें। दरअसल, हिंदू विवाह के दौरान या विवाह की रस्म का वर्णन करते हुए जिन वेद मंत्रों का उच्चारण किया जाता है, उनमें से अधिकतर मंत्र एक जैविक पुरुष और एक जैविक महिला का उल्लेख करते हैं। यह प्रथा अनादि काल से लगभग सभी हिंदू संप्रदायों में बिना किसी भिन्नता के विद्यमान है। यह अर्जी समलैंगिक विवाह से संबंधित अभिजीत अय्यर मित्रा की लंबित याचिका के मद्देनजर दायर की गई है, जिसमें दावा किया गया है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा सहमति से किए गए समलैंगिक कार्यों को अपराध की श्रेणी से बाहर किए जाने के बावजूद समलैंगिक जोड़ों के बीच विवाह संभव नहीं है और इसमें हिंदू विवाह कानून (एचएमए) और विशेष विवाह कानून (एसएमए) के तहत समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की घोषणा किए जाने का अनुरोध किया गया है।

संगठन ने अर्जी में कहा है कि हिंदू धर्म के अनुसार, विवाह एक अनुबंध नहीं है, बल्कि एक धार्मिक कार्य है और एचएमए के साथ छेड़छाड़ करने का कोई भी ऐसा प्रयास, जो हिंदुओं की सदियों पुरानी हानिरहित मान्यताओं को प्रभावित करता है, वह संविधान द्वारा दिए गए हिंदुओं के धार्मिक अधिकारों में धर्मनिरपेक्ष सरकार का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप होगा।

नरेंद्र मोदी और मनमोहन सिंह में कौन बेहतर प्रधानमंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दिया यह जवाब

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ अपनी कार्यशैली की तुलना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। उन्होंने मोदी को परिणाम पसंद करने वाला एक गतिशील नेता करार दिया है। आजतक के एक कार्यक्रम में उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि दोनों के बीच तुलना नहीं की जा सकती है। जब उनसे प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी की कार्यशैली में अंतर के बारे में पूछा गया, तो सिंधिया ने कहा, ₹मेरा मानना है कि दोनों के बीच तुलना करना मुश्किल है। दोनों नेताओं के बीच जमीन-आसमान का अंतर है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया नरेंद्र मोदी सरकार के हाई-प्रोफाइल मंत्रियों में से एक हैं। वह बीजेपी में आने से पहले कांग्रेस में रहे हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार में भी बतौर केंद्रीय मंत्री के रूप में काम किया था। वह 2020 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए और इस साल जुलाई में मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री बने। कांग्रेस से बाहर होने के कारणों पर सिंधिया ने कहा, ₹कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है जहां कोई प्रवेश या निकास साक्षात्कार आयोजित नहीं किया जाता है। सिंधिया के कांग्रेस से इस्तीफे के कारण पिछले साल मध्य प्रदेश में पार्टी की सरकार गिर गई।

एनसीबी को और ताकतवर बनाने की तैयारी

केंद्र ने सभी राज्य सरकारों से कहा- ड्रग्स से जुड़े 5 बड़े केस एजेंसी को हैंड ओवर करें

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एनसीबी यानी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की ताकत में इजाफा करने की तैयारी कर ली है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से कहा है कि वो ड्रग्स से संबंधित कम से कम 4-5 बड़े केस नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को हैंड ओवर करें। सूत्रों के मुताबिक केंद्र सरकार की तरफ से सभी राज्यों को इसके लिए 5 दिसंबर तक की मोहलत दी गई है।

इस मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने न्यूज एजेंसी 'अठक' से कहा कि गुरुवार को केंद्र सरकार की तरफ से जो निर्देश जारी किये गये हैं उसमें केंद्र सरकार की तरफ से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव, गृह सचिवों और डीजीपी से कहा गया है कि वो नारकोटिक्स से जुड़े अहम केस ब्यूरो के हवाले करें। जाहिर है अब केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद एनसीबी का दायरा बढ़ेगा। केंद्र सरकार ने एनसीबी की ताकत में इजाफा करने वाला यह कदम हाल ही में मुंद्रा पोर्ट से सीज किये गये 3,000 किलोग्राम हेरोइन और मुंबई क्रूज ड्रग्स मामले के खुलासे के बाद उठाया है। अभी एनसीबी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और कुछ अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर इन दोनों ही बड़े मामलों की जांच-पड़ताल कर रही है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने अक्टूबर के महीने में बताया था कि उसने गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर मिले 3000 किलोग्राम ड्रग्स के मामले में दिल्ली और एनसीआर में कुल 5 स्थानों पर छापेमारी की है। यह छापेमारी कुछ आवासीय परिसरों के अलावा गोदामों में की गई थी। दिल्ली के लाजपत नगर, अलीपुर और खेरा कलान इलाकों में यह छापेमारी हुई थी। इसके अलावा नोएडा में भी टीम ने अपनी जांच-पड़ताल की थी। इस सर्च अभियान के दौरान एनआईए ने कई संदिग्ध दस्तावेज और सामान भी जब्त किये थे।

संसद में तकरार जारी, विपक्ष के रवैये के खिलाफ बीजेपी सांसदों का धरना-प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (इखढ) के सांसदों ने विपक्षी दलों के व्यवहार के खिलाफ शुक्रवार को संसद में धरना दिया। उधर, विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा के 12 सांसदों के निलंबन का विरोध किया। सोमवार को संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने के बाद से दोनों सदनों के कामकाज में लगातार व्यवधान आ रहा है। आपको बता दें कि संसद में सत्ता-पक्ष और विपक्ष आमने-सामने है। दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली थी। राज्यसभा में विपक्षी दलों के एक दर्जन सदस्यों को सरकार द्वारा लाए गए प्रस्ताव के बाद सोमवार को पहले ही दिन शीतकालीन सत्र से उन्हें निलंबित कर दिया गया। अगस्त में भी मानसून सत्र के अंत में कथित रूप से अनियंत्रित आचरण के लिए सदस्यों को निलंबित कर दिया गया था।

यादव ही क्यों बनते हैं सीएम, 20 फीसदी मुसलमानों का क्या होगा, अखिलेश पर ओवैसी का हमला

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में 100 सीटों पर लड़ने का ऐलान करने वाले एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है। ओवैसी ने 'एजेंडा आज तक' कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि यूपी में 19 फीसदी से ज्यादा मुसलमान हैं, लेकिन आज तक उनका कोई सीएम नहीं बन पाया है। ओवैसी ने कहा कि कांग्रेस, एसपी और बीएसपी जैसी पार्टियों ने हमेशा मुसलमानों के वोट यूपी में लिए हैं, लेकिन उनकी कोई लीडरशिप विकसित नहीं हो पाई है। ओवैसी ने कहा कि हम तो ऐसी लैला बन गए हैं, जिसका नाम लिए बिना किसी का काम नहीं चलता है। ओवैसी और मुसलमानों का नाम लेकर सब एक-दूसरे को डराते हैं और वोट बटोरने का काम करते हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने सपा सरकार में यादवों को महत्व मिलने और मुसलमानों की उपेक्षा का आरोप लगाया। ओवैसी ने कहा, '10 पर्सेंट यादव दो-दो बार सीएम बन गए। लेकिन 19 पर्सेंट से ज्यादा मुसलमान हैं, हमारा क्या होगा। क्या मुसलमान बैंड बाजे की पार्टी है कि किसी के लिए भी बाजा बजाएगा। मैं मुसलमानों से कह रहा हूं कि अपनी लीडरशिप तैयार करिए। आज यूपी में मुस्लिमों के वोट की कोई ताकत नहीं है। मैं चाहता हूं कि जिस तरह से हर समाज ने अपनी लीडरशिप ने बनाई है, उसी तरह हमें भी तैयार करना है। अब अखिलेश कह रहे हैं कि जाट को डिप्टी सीएम बना देंगे, लेकिन 19 पर्सेंट को क्यों नहीं बनाएंगे।

क्रिप्टो बैन: सही कदम या भूल

नई दिल्ली। भारत में इन दिनों क्रिप्टोकरेंसी को लेकर चर्चा हरेक की जुबान पर है भले ही उसने इसमें कभी निवेश किया हो या नहीं. अब सरकार इस पर कानून लाने वाली है, लेकिन यह काम भी बड़ा उलझन भरा है. जाानिए क्यों?भारतीय संसद के इस हफ्ते शुरू हुए शीतकालीन सत्र की खास बात कृषि या विकास संबंधी परियोजनाएं न होकर एक ऐसी करेंसी या मुद्रा रही जो न देखी जा सकती है, न छुई जा सकती है और जिसकी कीमत तेजी से घटती-बढ़ती रहती है. इसे क्रिप्टोकरेंसी या डिजिटल करेंसी कहते हैं, जिस पर सरकार या बैंक का नियंत्रण नहीं होता है. यह करेंसी ब्लॉकचेन तकनीक पर बनी होती है, जो किसी डेटा को डिजिटली सहेजता है. अब जो करेंसी किसी के नियंत्रण में नहीं है, उस पर सरकार कानून कैसे ला सकती है? इसका जवाब हां और ना दोनों है. भले ही सरकार ने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर कोई कानून न बनाया हो, लेकिन भारत का आयकर विभाग क्रिप्टो निवेश पर

होने वाली इनकम पर टैक्स लेता है. हालांकि क्रिप्टो टैक्स के नियम ज्यादा साफ नहीं हैं, लेकिन अगर किसी निवेश पर टैक्स लिया जा रहा है तो इसका मतलब है कि सरकार उसे आय का स्त्रोत मान रही है. दूसरा पक्ष यह है कि सरकार इसे पेमेंट का माध्यम मानने से इनकार कर रही है. हाल ही में संसद की ओर से जारी एक बुलेटिन में कहा गया कि बिटकॉइन या इथेरियम जैसी अन्य क्रिप्टोकरेंसी को करेंसी का दर्जा नहीं दिया जा सकता है. यानि इनसे कोई भी दूसरा सामान नहीं खरीदा जा सकेगा.

नुकसानदेह हो सकता है सरकार का रवैया सरकार की यह हिचक लंबे अर्से में नुकसान ही कराएगी क्योंकि कई छोटे-बड़े देशों ने क्रिप्टोकरेंसी को पेमेंट का माध्यम मान लिया है. मसलन, अमेरिका स्थित दुनिया के सबसे बड़े मूवी थिएटर चेन एएमसी ने कुछ क्रिप्टोकरेंसी से पेमेंट किए जाने को मंजूरी दे दी है. वहीं, कोरोना महामारी से बुरी तरह तबाह हो चुके टूरिज्म बिजनेस को दोबारा खड़ा करने के लिए थाइलैंड ने क्रिप्टो निवेशकों का स्वागत करते हुए कहा है कि वे उनके यहां आकर क्रिप्टो के जरिए सामान खरीद सकते हैं. हालांकि, भारत सरकार क्रिप्टोकरेंसी को एसेट क्लास यानि स्टॉक, बॉन्ड जैसा मानने को तैयार दिख रही है. इसका मतलब है कि सरकार क्रिप्टोकरेंसी को करेंसी न मानकर निवेश का माध्यम मानने को तैयार है. संसद की ओर से जारी बुलेटिन की एक अन्य टिप्पणी भी भ्रम पैदा करने वाली है. सरकार ने कहा है कि वह प्राइवेट क्रिप्टोकरेंसी पर बैन लगा देगी. यह प्राइवेट क्रिप्टोकरेंसी आखिर है क्या? सरकार ने इसे लेकर कोई व्याख्या नहीं दी है. क्रिप्टो जगत में प्राइवेट क्रिप्टोकरेंसी जैसी कोई चीज होती ही नहीं है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

अब ओमिक्रॉन वैरिएंट से पस्त होगा अमेरिका? कैलिफॉर्निया समेत 5 राज्यों में फैल गए केस

नई दिल्ली। कोविड के ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमण के केस लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अमेरिका की बात करें तो वहां के पांच प्रदेश में ओमिक्रॉन वैरिएंट के पॉजिटिव केस देखे गए हैं। इसमें न्यू यॉर्क, कैलिफोर्निया, कोलोराडो और मिनेसोटा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। न्यूयॉर्क शहर के मेयर बिल डी ब्लासियो ने मामले को लेकर कहा है कि हम जानते हैं कि अब हमारे पास न्यूयॉर्क शहर में ओमिक्रॉन वैरिएंट के मामले हैं। हमें यह मानना होगा कि इसका मतलब है कि कम्युनिटी स्प्रेड है। हमें यह मान लेना होगा कि हम बहुत अधिक मामले देखने जा रहे हैं। बता दें कि न्यूयॉर्क प्रांत ने 2 दिसंबर को 11,300 नए कोविड -19 मामले दर्ज किए हैं जो जनवरी 2021 के बाद सबसे अधिक हैं। अमेरिका के सबसे अधिक आबादी वाले लॉस

एंजिल्स काउंटी में भी ओमिक्रॉन वैरिएंट ने दस्तक दे दी है। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका से लौटे एक व्यक्ति में ओमिक्रॉन वैरिएंट का पता चला था। हवाई में संक्रमित व्यक्ति मध्यम लक्षणों वाला ओआहू का रहने वाला है जो पहले कोविड-19 से संक्रमित था, लेकिन उसे कभी टीका नहीं लगाया गया था। हवाई के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार उस व्यक्ति का यात्रा का कोई इतिहास नहीं है। विभाग के एक बयान के अनुसार यह कम्युनिटी स्प्रेड का मामला है।ओमिक्रॉन वैरिएंट से बढ़ते सक्रमण को लेकर अधिकारियों ने कहा है कि हमारे पास पर्याप्त जानकारी नहीं है। हम लॉकडाउन नहीं कर रहे हैं। हम अपने प्रोटोकॉल नहीं बदल रहे हैं। अधिकारियों ने आगे बताया है हम पहले के मुकाबले अब किसी भी वैरिएंट के लिए अधिक तैयार हैं और यही कारण है कि लॉकडाउन का अभी कोई प्लान नहीं है।